प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-128 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 4 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

Sweety BY MR GROUP Presents

Sweety BY MR GROUP

Sweety Supari®

Kesar Scented

अब और भी प्रीमियम लुक में !

नया पैक, वही भरोसा और वही स्वाद।

₹2/- Per Pouch

35 • Pouches • Inside

Sweety Supari®

INDIA'S FAVOURITE

KESAR SCENTED SUPARI

Masti Bhara Ehsaas

PREMIUM QUALITY | FRESH AROMA | HYGIENICALLY PACKED | LONG LASTING FRESHNESS

Sweety Supari INDIA'S FAVOURITE | Sweety MOUTH FRESHENERS | SHRI SURESH CHAND AGARWAL MEMORIAL TRUST | WINGSTON Mathura / Goverdhan / Barsana

Shri Girraj Supari Traders LLP

info@mrgroup.co.in | sweetybymrgroup | shop.sweetybymrgroup.com | +91 9897004000

STATUTORY WARNING : CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-128 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 4 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन आसान नहीं, डेढ़ घंटे इंतजार, फिर आधे घंटे निकास

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। शनिवार को वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सप्ताहांत और अवकाश के चलते दूर–दराज से बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों के कारण मंदिर की व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। श्रद्धालुओं को ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए करीब डेढ़ घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ा। इस दौरान कई स्थानों पर धक्का–मुक्की की स्थिति भी बनी रही।

शनिवार सुबह बांके बिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़ी भीड़।

मंदिर परिसर में उमस और गर्मी के कारण श्रद्धालु काफी परेशान नजर आए। दर्शन के लिए कतार में खड़े लोगों को लगातार पसीने और घुटन का सामना करना पड़ा। मंदिर में गर्मी से राहत देने के लिए लगाए गए कूलर भी अत्यधिक भीड़ और नमी के कारण अपेक्षित राहत नहीं दे सके। कई श्रद्धालु हाथ से पंखा झलते और पानी पीकर खुद को राहत पहुंचाने का प्रयास करते दिखाई दिए।

दर्शन के बाद भी श्रद्धालुओं की परेशानी कम नहीं हुई। भीड़ के

डेढ़ घंटे की धक्का मुक्की के बाद हुए दर्शन

उमस और भीड़ से मंदिर परिसर में बढ़ी परेशानी

अत्यधिक दबाव के कारण मंदिर से बाहर निकलने में भी करीब आधा घंटा लग गया।

निकास मार्ग पर धीमी गति से बढ़ रही भीड़ के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष कठिनाई का सामना करना पड़ा।

मंदिर परिसर और आसपास पुलिस और सुरक्षा कर्मी भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे रहे। समय–समय पर श्रद्धालुओं से कतारबद्ध होकर आगे बढ़ने और धक्का–मुक्की न करने की अपील की जाती रही। इसके बावजूद दिनभर दर्शनार्थियों का सिलसिला जारी रहा और मंदिर के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं।

श्रद्धालुओं का कहना था कि ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन का आनंद हर कठिनाई पर भारी है, लेकिन भीड़ वाले दिनों में बेहतर भीड़ प्रबंधन, पर्याप्त वेंटिलेशन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है, ताकि दर्शन व्यवस्था अधिक सुगम और सुरक्षित बन सके।

करोड़ों की अष्टधातु मूर्तियां बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

जैन समाज की मूर्ति चोरी मामले में पकड़े गए आरोपित।

राजस्थान पुलिस ने छापेमारी कर बरामदगी की

जैन समाज ने कार्रवाई पर संतोष जताया

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के चूरू जिले के तारानगर स्थित एक प्राचीन जैन मंदिर से चोरी हुई करोड़ों रुपये मूल्य की अष्टधातु की मूर्तियां कोसीकलां से बरामद होने का दावा किया गया है। इस मामले में राजस्थान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कोसीकलां निवासी इसरायल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले तारानगर के प्राचीन जैन मंदिर से दुर्लभ और धार्मिक महत्व की अष्टधातु मूर्तियां चोरी हो गई थीं। घटना के बाद राजस्थान पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले तकनीकी और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस टीम कोसीकलां पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से सारी शाही क्षेत्र में स्थित एक मकान पर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान चोरी की गई मूर्तियां बरामद कर ली गईं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद मूर्तियां अत्यंत प्राचीन हैं और उनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये है। मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि चोरी के इस गिरोह में और कौन–कौन शामिल है, मूर्तियों को कहां खपाने की तैयारी थी।

कार्रवाई की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। जैन समाज के लोगों ने मूर्तियों की बरामदगी पर संतोष व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। वहीं, कोसीकलां थाना प्रभारी कमलेश सिंह ने इस संबंध में जानकारी होने से इन्कार किया है। राजस्थान पुलिस पूरे प्रकरण की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

राया में चल रहे अनैतिक देह व्यापार का भंडाफोड़

संवाददाता

दो गेस्ट हाउस से डेढ़ दर्जन युवक–युवतियां गिरफ्तार

होटल, गेस्ट हाउस संचालकों में मची खलबली

यूनिक समय,राया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस- वे के समीप दो गेस्ट हाउस में चल रहे अनैतिक देह व्यापार पर पुलिस ने छापे मारकर डेढ़ दर्जन युवक और युवतियों को हिरासत में लिया है।

पुलिस को काफी समय से गेस्ट हाउस में अनैतिक देह व्यापार होने की सूचना मिल रही थी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी महावन संजीव राय, नायब तहसीलदार महावन मीनू, थाना राया प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने मय पुलिसबल के साथ न्यू सांवरिया गेस्ट हाउस और रॉयल होटल एंड रेस्टोरेंट पर छापामार कर गेस्ट हाउस से डेढ़ दर्जन युवतियों- युवकों को पकड़ लिया और कई वाहन जब्त कर लिए । पुलिस सभी को पकड़कर थाना राया ले आयी। पुलिस ने दोनों गेस्ट हाऊस को सील करने की कार्रवाई की है।

समाचार लिखे जाने तक पुलिस पकड़े गये युवतियों-युवकों से पूछताछ कर रही है। वही पुलिस की इस कार्यवाही से होटल गेस्ट हाउस संचालको में हड़कंप मच गया, कई होटल संचालक अपने होटलों को बंद कर फरार हो गये।

बीएसए रोड पर खुले नाले में गिरी युवती

यूनिक समय,मथुरा। बीएसए रोड स्थित खुले नाले में शनिवार सुबह एक युवती गिर गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नाले से बाहर निकाल लिया गया। आज प्रातः लगभग 6:30 बजे बारिश के दौरान बीएसए रोड पर खुले नाले में एक युवती गिर गई। युवाओं ने करीब 20 मिनट के प्रयास के बाद उसे बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सरकार की घरों में रखे सोने को बाहर लाने की योजना

घरों का सोना बनेगा अब कमाई का जरिया

यूनिक समय, मथुरा। घरों में वर्षों से सुरक्षित रखे सोने को केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में लाने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित नई गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के तहत बैंकों के साथ–साथ ज्वेलर्स को भी कलेक्शन पार्टनर बनाया जा सकता है, ताकि लोग आसानी से अपना सोना जमा करा सकें। सरकार का उद्देश्य निष्क्रिय पड़े सोने का उपयोग बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करना और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है।

एक अनुमान के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास करीब 25,000 टन सोना मौजूद है। यदि इसमें से केवल पांच प्रतिशत यानी लगभग 1,000 टन

सोना भी बाजार में आ जाए, तो करीब 8.5 लाख करोड़ रुपये की पूंजी अर्थव्यवस्था में सक्रिय हो सकती है। इससे सोने के आयात में भारी कमी आएगी और विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

इससे पहले वर्ष 2015 में शुरू की

ज्वेलर्स भी बनेंगे सोना संग्रहण के अधिकृत साझेदार

आयात घटेगा अर्थ व्यवस्था को मिलेगा बड़ा सहारा

गई गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी थी। उस योजना के तहत सोना जमा करने पर 2.25 से 2.5 प्रतिशत तक ब्याज मिलता था, लेकिन लगभग दस वर्षों में केवल 38 टन सोना ही जमा हो सका। विशेषज्ञों के अनुसार, पुश्तैनी गहनों से भावनात्मक जुड़ाव, सोना पिघलाने की अनिच्छा और आयकर जांच का डर योजना की असफलता के प्रमुख कारण रहे। अब सरकार इन कमियों को दूर करते हुए अधिक व्यावहारिक व्यवस्था तैयार करने पर काम कर रही है। नई योजना में ज्वेलर्स की भागीदारी से लोगों के लिए प्रक्रिया आसान बनने की उम्मीद है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह योजना सफल रही, तो भारत को दो वर्षों तक सोने के आयात की आवश्यकता काफी हद तक कम हो सकती है। इससे डॉलर की मांग घटेगी, रुपया मजबूत होगा और घरों में निष्क्रिय रखा सोना देश की उत्पादक पूंजी में बदल सकेगा।

जलभराव रोकने सड़कों पर उतरे नगर आयुक्त, दिए सख्त निर्देश

संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

सात जुलाई तक कार्य पूरे करने के निर्देश

लापरवाही पर होगी संबंधितों पर कार्रवाई

नया बस अड्डा रेलवे पुल के नीचे चल रहे कार्य का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त जग प्रवेश आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अधिकारियों के साथ शहर के जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर नालों, निर्माणाधीन सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यों में देरी और लापरवाही पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई भी होगी।

नए बस स्टैंड के पास चल रहे निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त ने बताया कि परियोजना को 7 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि एक लेन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य तेजी से कराया जा रहा है। वहीं भूतेश्वर क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए 800 एमएम पाइपलाइन से पानी की निकासी बढ़ाने हेतु शनिवार रात तक बूस्टर पंप मोटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान शहर में कहीं भी लंबे समय तक पानी जमा नहीं रहना चाहिए। निचले इलाकों में जरूरत पड़ने पर हाई-पावर पंप लगाकर तत्काल जल निकासी कराई जाए। साथ ही सभी छोटे-बड़े नालों की सिल्ट सफाई और अवरोध हटाने का कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। नगर निगम की टीमें 24 घंटे फील्ड में रहकर जलभराव वाले क्षेत्रों की निगरानी करें और शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान जलकल महाप्रबंधक मोहम्मद ख्वाजा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मानसून की पहली जोरदार बारिश से किसान खुश

खेतों में बढ़ी नमी, अब शुरू होगी खरीफ फसलों की बोआई

बाजरा-ज्वार का बढ़ सकता है रकबा, धान का रकबा होगा कम

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार का दिन और शनिवार बीती रात को हुई मानसून की पहली जोरदार बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी लौटा दी है। पिछले कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को अच्छी वर्षा मिलने से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है। इसके साथ ही अब खरीफ सीजन की फसलों की बोआई की तैयारियां तेज हो गई हैं। किसानों का कहना है कि यदि एक-दो अच्छी बारिश और हो जाती है तो बड़े पैमाने पर बोआई का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने मानसून की वर्षा से पहले खेतों की जोताई काम पूरा कर लिया था, लेकिन बर्षा देरी से होने की वजह से खेती का काम पीछे चला जा रहा था। अब एक- दो बर्षा और होने के बाद किसान खेतों में जुटेंगे, फिलहाल वह बीज और खाद का इंतजाम करने में जुटे हैं। पर्याप्त नमी मिलने से सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होगा, जिससे किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी। वहीं, मानसून के देरी से आने से आने की वजह से धान का रकबा इस बार कम रहने के आसार हैं।

जिले में इस बार बाजरा, ज्वार, तिल और मूंग जैसी खरीफ फसलों की अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह का कहना है कि खरीफ फसलों की बोआई के लिए लगातार और संतुलित वर्षा आवश्यक होती है। किसान मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही बुवाई करें, ताकि बीज अंकुरण बेहतर हो और फसल को शुरुआती चरण में पर्याप्त नमी मिल सके। किसानों ने उम्मीद जताई है कि यदि मानसून सामान्य बना रहा तो इस वर्ष खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर रहेगा और कृषि क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा।

वृंदावन में बारिश और विद्युत कटौती से हाल-बेहाल

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया। लोगों की सुबह नींद टूटी तो वह घरों के आगे पानी के हिलोर मारने का दृश्य देखकर हैरान हो गए।

किसी ने सोचा नहीं था कि सुबह-सुबह की बारिश इतनी तेज होगी, निचले इलाकों में जलभराव हो जाएगा। यमुना और मंदिरों में दर्शन करने के लिए जाने वाले श्रद्धालु भी सड़क पर हिलोरे मारते पानी में होकर जाने को विवश होंगे। सबसे अधिक परेशानी तो सड़कों पर रात बिताने वाले साधुओं को हुई। लोगों का कहना है कि अभी तो मानसून पूरी तरह से सक्रिय नहीं हुआ है। यदि मानसून सक्रिय हो गया तो क्या हालात होगी। गोपी नाथ बाजार, रंगजी मंदिर के सामने,सीएफसी चौराहा, गौरानगर कालोनी, दावानल कुंड, मोती झील, दाऊजी तिराहा, समेत कई और अन्य इलाकों की सड़कों पर पानी हिलोरे मारता नजर आया। मौसम बदलने से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन उमस बढ़ गई। उमस के बीच विद्युत आपूर्ति की आंख मिचौनी से भी लोग परेशान नजर आए। शिकायत करने के बाद भी अधिकारी कोई समाधान नहीं कर पा रहे थे।

दो स्थानों पर रविवार को होगा स्वच्छता श्रमदान

यूनिक समय, मथुरा। हार्टफुलनेस संस्था के तत्वावधान में प्रातः आठ बजे से गऊघाट पर स्वच्छता श्रमदान का आयोजन रविवार को किया जाएगा। गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग स्थित संत गया प्रसाद की समाधि, रमणेरती आश्रम से उज्ज्वल ब्रज संस्था के तत्वावधान में प्रातः आठ बजे से स्वच्छता श्रमदान किया जाएगा। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाजसेवी, क्षेत्रीय नागरिक, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी तथा जागरूक नागरिक सहभागी बनेंगे।

रोडवेज को रोजाना सात-आठ लाख रुपये राजस्व का हो रहा नुकसान

डग्गेमार वाहनों की हो रही चांदी, सवारियां हो गईं हैं कम

रेलवे निर्माण के कारण बदला बस अड्डा भटक रहे यात्री

माल गोदाम रोड पर सवारियों के इंतजार में खाली खड़ी बसें।

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे की ओर से नई रेल लाइन बिछाने के लिए शुरू किए गए काम के चलते नया बस अड्डा अस्थायी रूप से माल गोदाम रोड पर संचालित हो रहा है। बस अड्डा बदलने के बाद रोडवेज की आय पर बड़ा असर पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, रोडवेज को अब हर दिन 7 से 8 लाख रुपये तक का नुकसान हो रहा है। वहीं इस स्थिति का सबसे ज्यादा फायदा डग्गेमार वाहन उठा रहे हैं।

रोडवेज केंद्र प्रभारी जय प्रकाश शुक्ला ने बताया कि पहले नया बस अड्डा अपने पुराने स्थान पर था, तब रोडवेज को 24 घंटे में करीब 30 लाख रुपये का राजस्व मिलता था। लेकिन बस अड्डे के अब माल गोदाम रोड पर शिफ्ट होने के बाद आमदनी घट गई है। अब हर दिन लाखों रुपये कम राजस्व मिल रहा है, जिससे सरकार को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि अस्थायी बस अड्डे पर कर्मचारियों की पूरी व्यवस्था है और सभी बसों का संचालन भी नियमित रूप से हो रहा है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में यात्री नए बस अड्डे तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई लोग पुराने बस अड्डे पर पहुंच जाते हैं, जबकि कुछ लोगों को नए स्थान की जानकारी ही नहीं है। ऐसे में यात्री मजबूरी में डग्गेमार और निजी वाहनों से सफर कर रहे हैं।

रोडवेज केंद्र प्रभारी ने बताया कि बस अड्डे के बदलने की जानकारी सभी यात्रियों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पाई है। यही वजह है कि रोजाना बड़ी संख्या में यात्री भटक रहे हैं और रोडवेज की बसों में सवारियां कम हो रही हैं। इसका सीधा असर विभाग की आय पर पड़ रहा है।

फिलहाल रेलवे का निर्माण कार्य पूरा होने तक रोडवेज को हर दिन सात से आठ लाख रुपये के नुकसान हो रहा है, जबकि डग्गेमार वाहनों की कमाई लगातार बढ़ रही है।

रखैल की गला घोंट की हत्या शव को बाईपास पर फेंका

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के पानी गांव बाइपास पर मिले महिला के शव की शिनाख्त होने के साथ–साथ उसकी हत्या करने का राज भी खुल गया है। पुलिस हत्यारोपी की तलाश कर रही है।

पानी गांव बाइपास पर मिलने वाला शव महिला कोमल(27) पत्नी राजू का है। राजू ट्रक ड्राईवर है। राजू ने दस साल पहले कोमल के साथ लव मैरिज की थी।

कोमल मेरठ की रहने वाली बताई जाती है। कोमल पति राजू के साथ बालाजीपुर कालोनी थाना हाइवे में

पति को छोड़ प्रेमी के साथ किराए के मकान में रह रही थी महिला

किराए का मकान में रहती थी। राजू का कहना है कि कोमल से उसके बड़ी लड़की काजल और बेटा हिमांशू है। नगला पीतम थाना राया के रहने वाले सतीश चौधरी का उसके घर पर आना जाना था। करीब एक साल आठ माह पहले सतीश चौधरी कोमल को बहला–फुसला कर ले गया। कोमल को सतीश चौधरी थाना यमुनापार के लक्ष्मीनगर में एक किराए का मकान दिला दिया। सतीश चौधरी और कोमल वहां एक साथ रह रहे थे। सतीश चौधरी पर काफी जमीन होने के साथ–साथ उनके बेटा भी नौकरी में हैं। एक बेटा पुलिस में है। सतीश चौधरी की उम्र भी काफी है इसके बाद भी वह कम उम्र की कोमल के साथ लिव इन रिलेशन में रह रहा था।

राजू का कहना है कि कोमल अब उसके साथ न रहकर पति बच्चों के साथ रहना चाहती थी। इसके चलते सतीश ने कमरे पर शराब पिलाकर गला घोंट दिया और हत्या करने के बाद उसे बाईपास पर फैंक दिया। वहीं दूसरी ओर इस बात की चर्चा है कि सतीश चौधरी पर काफी जमीन-जायदाद होने के कारण कोमल उस पर जमीन नाम कराने के लिए दबाव बना रही थी। सतीश चौधरी के परिवार के लोग भी उनसे कोमल को लेकर नाराज चल रहे थे। उन्हें उससे अलग होने के लिए दबाव बना रहे थे। कोमल की हत्या के मामले में पुलिस सतीश चौधरी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। राजू ने पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए कोमल का शव लिया।

थाना हाइवे चौराहे पर पलटा ट्रक

शनिवार सुबह फरह के अंडरपास के नीचे जलभराव की वजह से नाले में घुसा ट्रक।

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हाइवे थाना चौराहे पर पलटा ट्रक।

वाहन में लोहे के चौकोर पाइप भरे हुए यातायात रहा बाधित

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को थाना हाइवे चौराहे पर लोहे के चौकोर पाइपों से भरा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। वहीं, फरह कस्बा में सर्विस रोड पर वर्षा का पानी भरा होने की वजह से एक ट्रक नाले में घुस गया। इन दोनों स्थानों पर यातायात प्रभावित रहा। दोनों वाहनों को क्रेन के जरिये हटाने के बाद यातायात सुचारू हो गया।

जानकारी के अनुसार, आज सुबह करीब पांच बजे मथुरा से आगरा की ओर जा रहा एक ट्रक थाना हाइवे के सामने असंतुलित होकर अचानक पलट गया। ट्रक पलटते ही उसमें भरे लोहे के चौकोर पाइप बाहर निकल आए।

गनीमत रही कि इस दौरान वाहन के आसपास कोई नहीं था, जिससे हाइसा बच गया। ट्रक पलटने की वजह

फरह में जलभराव से नाले में घुसा ट्रक यातायात प्रभावित

से यहां दोपहर तक यातायात प्रभावित रहा। बाद में बड़ी क्रेन मशीनों की मदद से पलटे ट्रक को सीधा किया गया, जिससे यातायात सुचारू हो सका।

वहीं, कस्बा फरह में आज सुबह बारिश की वजह से चौराहे के आसपास भारी जलभराव हो गया। सुबह करीब छह बजे अछनेरा की ओर से आ रहा एक ट्रक आगरा जाने के लिए सर्विस रोड पर जाने के लिए अंडरपास से निकला। चालक ने उसे आगरा के लिए मोडा, लेकिन सर्विस रोड पर भरे काफी पानी से उसे नाले का पता नहीं चला, जिससे ट्रक के अगले वाले पहिये नाले में चले गए। यहां भी दोपहर तक यातायात बाधित होता रहा। क्रेन की मदद से ट्रक को नाले को निकाला गया, इसके बाद यातायात सही हो सका।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कुत्ते से टकराई बाइक, सवार घायल

यूनिक समय, सुरीर । यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के नोएडा से आगरा की ओर जा रही एक टीवीएस राइडर बाइक अचानक सड़क पर आए कुत्ते से टकरा गई, जिससे बाइक सवार गंभीर घायल हो गया। सुबह बाइक सवार युवक यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 86+300 के पास पहुंचा था। इसी दौरान अचानक सड़क पर एक कुत्ता आ गया। युवक की बाइक कुत्ते से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर गिर गई। दुर्घटना के बाद बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद तत्काल वृंदावन स्थित सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया है।

एस.आर.सी. नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट
(उ.प्र स्टेट मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त)
प्रवेश सूचना (2026-27)
AUXILIARY NURSE MIDWIFERY (ANM)
(2 YEARS)
संस्थान में प्रवेश उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ के मानको के अनुसार होंगे
आवेदन की अंतिम तिथिः 30/09/2026
ऑनलाइन आवेदन करेंः- Srcnpimathura.in
पताः- रसूलपुर मथुरा | मो. 7055322211

मजदूर की पत्नी ने लगाई फांसी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के पालीखेड़ा में एक मजदूर की पत्नी ने बीती रात फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के समय घर पर उसका एक बेटा सो रहा था। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बरसाना निवासी कन्हैया की शादी लेखराज की बेटी पूजा के साथ हुई थी। कन्हैया मजदूरी करता था। इसके चलते वह बरसाना से आकर पालीखेड़ा में किराए का मकान लेकर परिवार के साथ रह रहा था। बताया गया कि कल पूजा अपने बेट मनजीत (10) के साथ घर पर थी। रात के समय पूजा ने कमरे में फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या करली। पूजा के भाई श्याम सुंदर ने बताया कि परिवार के लोगों को तीन बजे के करीब इस बात का पता लगा। पूजा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। श्यामसुंदर का कहना है कि पूजा के घर पर किसी तरह की कोई लड़ाई नहीं थी। परिवार के सभी लोग इस बात को लेकर दुखी हैं कि उसने फांसी क्यों लगाई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी पर शक बना हत्या की वजह

सनसनी: चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन रोड स्थित ज्योति फार्म हाउस में शनिवार शाम पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पत्नी के साथ अवैध संबंध होने के शक में एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना हाईवे पुलिस और क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल सहित मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार शनिवार शाम करीब 5:30 बजे डायल–112 पर सूचना मिली कि ज्योति फार्म हाउस में एक युवक को गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल गजेंद्र को देखा, जिसकी गोली लगने से मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वारदात को उसके चचेरे भाई पवन चौधरी ने अंजाम दिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे गजेंद्र पर अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध होने का शक था। इसी संदेह और आपसी रंजिश के चलते उसने लाइसेंसी पिस्टल से कई गोलियां दाग दीं, जिससे गजेंद्र की मौके पर ही

लाइसेंसी पिस्टल से वारदात, आरोपी मौके से गिरफ्तार

गोवर्धन रोड स्थित फार्म हाउस में मचा हड़कंप शनिवार

मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों से तहरीर मिलने के बाद आरोपी के विरुद्ध हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

घटना के बाद किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए फार्म हाउस और आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर छाता, मथुरा, मो. 7055400400, 7088105741
QUALITY COUNCIL OF INDIA
दिमाग से सम्बन्धित बीमारियाँ
ब्रेन ट्यूमर–सभी प्रकार के दिमागी ट्यूमर (रसौली) का दूरबीन एवं माईक्रोस्कोप द्वारा ऑपरेशन
लकवा/फालिस (Stroke)
सिर दर्द (Migrain) चक्कर आना (Vertigo)
मिर्गी के दौरे (Epilepsy)
दिमागी बुखार (Meningitis)
दिमाग में नसों का ऑपरेशन (Aneurysm/ AVM Surgery)
बच्चों में सिर बड़ा होना (Hydrocephalus)
याददाश्त में कमी (Dementia)
चेहरे का टेढ़ापन (Bell's Palsy)
पारकिन्सन डिसीज (Parkinson's Disease)
हाथ में कम्पन्न (Tremors)
Dr Urvashi Meena
Ex-fortis hospital gurugram
Ex- Senior resident GTB UCMS ,Delhi.
Ex- consultant paras hospital gurugram.
worked with Padma Shri awarded Neurosurgeon Dr VS mehta.
एडवांस्ड न्यूरो साइसेंज विभाग
K.D.HOSPITAL MULTISPECIALITY
K.D.UNIVERSITY
रीढ़ की हड्डी एवं नसों से सम्बन्धित बीमारियाँ
जटिल में जटिल गर्दन एवं कमर दर्द
सर्वाइकल स्पोन्डोलाइसिस, रीढ़ की हड्डी का टी.बी.
रीढ़ की हड्डी का ट्यूमर (स्वाइनल ट्यूमर)
डिस्क प्रोलेस (गुटका सरक जाना)
हाथों–पैरों में कमजोरी व कंपन, झनझनाहट
बच्चों में कमर का फोड़ा (Meningomyelococle)
सर एवं रीढ़ की हड्डी की चोट
न्यूरो सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाएँ ओपीडी प्रातः 09:00 से 04:00 बजे तक
दूरबीन, माईक्रोस्कोप एवं नवीनतम उपकरणों द्वारा दिमाग एवं स्पाइन की सभी प्रकार की सर्जरी की सुविधा

हाईवे पर जाम का हा-हाकार, घंटों फंसे रहे वाहन

राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार दोपहर जाम में फंसे वाहन।

चौराहे पर अराजक व्यवस्था, भारी यातायात भी बना वजह

पुलिस ने संभाला मोर्चा धीरे-धीरे बहाल हुआ आवागमन

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को हाइवे पुल से मंडी पुल तक भीषण जाम लग गया। करीब दो किलोमीटर लंबे जाम के कारण चार पहिया और दोपहिया वाहन घंटों तक रेंगते रहे। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, एंबुलेंस और जरूरी कार्य से निकलने वाले यात्रियों को हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ा था। थाना हाइवे चौराहे पर मथुरा से आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों की सख्या बढ़ी तो यातायात की रफ्तार धीमी पड़ने लगी और देखते ही देखते हाइवे पुल तक लंबा जाम लग गया।

इसके बाद वाहनों की गति पर ब्रेक लगा तो यह जाम धीरे- धीरे मंडी पुल के ऊपर तक जा पहुंचा। कई वाहन चालक वैकल्पिक मार्ग तलाशते रहे, लेकिन वहां भी वाहनों का दबाव बढ़ने से राहत नहीं मिल सकी।

जाम में फंसे लोगों ने बताया कि वाहनों को दो किलोमीटर की दूरी तय करने में 30 से 45 मिनट तक का वाहनों को आगे बढ़ाने में जुटा रहा। जाम में फंसे लोगों का कहना है कि इस चौराहे पर स्थानीय वाहन चालक ही व्यवस्था खराब करते हैं। सीधे जाने वाले वाहनों के बीच में यह आकर यातायात को प्रभावित करते हैं, जिससे जाम लगता है। ऐसे वाहन चालक यातायात पुलिस के निर्देश का पालन भी नहीं करते हैं। इस चौराहे पर बीते कई दिन से जाम में घंटों समय खराब होने से लोग परेशान हैं।

शनिवार को भूतेश्वर अंडर पास से बस स्टैंड की और जाने वाले मार्ग पर लगा जाम।

एसपी यातायात लौटे उल्टे पांव

भूतेश्वर अंडरपास के नीचे लगे जाम की वजह से एसपी यातायात उल्टी दिशा से निकलकर जाने लगे, लेकिन वाहनों की भीड़ की वजह से वाहन के चालक ने गाड़ी को उल्टे पांव लौटा लिया। लोगों में इस बात की चर्चा काफी समय तक बनी रही।

भूतेश्वर पुल का जाम बना परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। नए बस स्टैंड के समीप रेलवे पुल का काम इन दिनों यातायात की चाल बिगाड़ रहा है। काम के चलते इन दिनों नए बस स्टैंड पुल से केवल दो पहिया चालकों को ही आने-जान दिया जा रहा है। ऐसे में वाहनों का दबाव भूतेश्वर पुल अंडरपास पर आ गया, जिससे जाम लग रहा है। छोटे वाहन चालक यहां भी व्यवस्था खराब कर रहे हैं, यातायात पुलिस भी ऐसे हालातों को काबू नहीं कर पा रही है।

बारिश में सर्विस रोड बने मुफ्त के स्विमिंग पूल

टाउनशिप से पहले सर्विस रोड पर भरा बर्षा का पानी।

रिफाइनरी थाने से पहले सर्विस रोड पर जलभराव।

फरह से मथुरा तक सर्विस रोड पर जलभराव

दो दिन की तेज बारिश से बिगड़ी स्थिति

दोपहिया चालकों और पैदल राहगीरों को हुई परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार और शनिवार देर रात हुई जोरदार बारिश ने जहां भीषण गर्मी से लोगों को राहत दिलाई, वहीं दूसरी ओर फरह से मथुरा के गोवर्धन चौराहे तक राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। कई स्थानों पर बारिश का पानी सड़क पर भर जाने से यातायात प्रभावित रहा और दोपहिया वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश के बाद फरह, महुअन, बरारी, रिफाइनरी, बाद, टाउनशिप, नबादा, राधा पुरम, और गोवर्धन चौराहे के आसपास सर्विस रोड पर पानी जमा हो गया। कई जगह जलभराव के कारण सड़क और गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया, जिससे वाहन चालक बेहद सावधानी के साथ गुजरते नजर आए। दोपहिया वाहन चालकों को पानी से भरी सड़क पार करने में काफी दिक्कत हुई, जबकि पैदल चलने वाले लोगों को भी कीचड़ और गंदे पानी के बीच रास्ता तय करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर हल्की बारिश में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नालों की नियमित सफाई नहीं होने और बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण पानी लंबे समय तक सड़कों पर जमा रहता है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बारिश की वजह से कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी रही, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। लोगों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से सर्विस रोड पर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने, नालों की नियमित सफाई कराने और जलभराव वाले स्थानों का तत्काल समाधान करने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

पुलिस की गिरफ्त में अंग्रेजी शराब ले जाता युवक।

कार से शराब ले जाता युवक गिरफ्तार

60 अंग्रेजी शराब की बोतल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कार से अंग्रेजी शराब की 60 बोतल ले जाते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

जैंत पुलिस कोटा छरौरा फ्लाई ओवर के करीब दिल्ली से आगरा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर आगरा साईड पर पुलिस ने सफेद रंग की डिजायर कार को चेकिंग के लिए रोक लिया। तालाशी के दौरान कार से 60 बोतल अंग्रेजी शराब की मिली। पुलिस ने इस मामले में कार सवार विकास निवासी शिव कॉलोनी पिंटू पार्क थाना गोला का मंदिर जनपद ग्वालियर मध्य प्रदेश को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही कार और शराब की भी जब्त कर लिया है।

आरती घाट पर रखे सामान को आग लगाने की साजिश

यूनिक समय, वृंदावन। केशीघाट (आरती घाट) पर आग लगाने की कोशिश करने की घटना सामने आने से संत आनंद स्वरुप गंगा बाबा समेत उनके शिष्य और भक्त चिंतित हैं। बताया जाता है कि कल रात्रि को यमुना आरती के बाद अधिकांश सामान को घाट के पास बुर्जी में रोजाना की तरह रख दिया था। आज दोपहर संत आनंद स्वरुप गंगा बाबा परिकर के लोग आरती करने की तैयारी के लिए पहुंचे तो वहां जले हुए कुछ सामग्री को देखकर दंग रह गए। उन्होंने इस बात की सूचना संत आनंद स्वरुप गंगा बाबा को दी। यह आशंका जताई गई है कि कुछ शरारती तत्वों ने बड़ा अग्निकांड का अंजाम देने की कोशिश की, लेकिन यमुना कृपा से वह घटना बच गई। उन्होंने पुलिस प्रशासन से शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दौड़ प्रतियोगिता 20 जुलाई को

यूनिक समय,मथुरा। सौंख रोड स्थित नगला माना में 1600 मीटर विशाल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन 20 जुलाई को सांय पांच बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक अंकित पहलवान ने बताया कि इस प्रतियोगिता के पंजीकरण 8 से 12 जुलाई तक कार्यालय में किए जाएगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रथम विजेता को स्कूटी दी जाएगीं।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

शराबी ने दरोगा की कार पर पत्थर मार शीशा तोड़ा

यूनिक समय मथुरा। शहर के भूतेश्वर तिराहे पर श्रीजी बाबा आश्रम के समीप बीती रात जाम में फंसे एक शराबी युवक ने वहां से जाते दरोगा की कार पर पत्थर मारकर कार का शीशा तोड़ दिया। दरोगा और युवक में काफी बहस होने के कारण और जाम लग गया। बाद में युवक को पुलिस डीग गेट चौकी ले गई।

काफी देर हंगामा के बाद युवक को पुलिस चौकी ले गई

एक दरोगा अपनी बीमार पत्नी को चिकित्सक से दवा दिलाने के बाद कार से लौट रहे थे। रास्ते में श्रीजी बाबा आश्रम के समीप जाम लगा हुआ था। जाम में फंसे एक युवक ने दरोगा की कार पर पत्थर मार दिया, जिससे शीशा टूट गया।

पत्थर मारने वाले युवक को लोगों ने पकड़ लिया। दरोगा और युवक में काफी देर तक बहस होने से वहां और जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को डीग गेट पुलिस चौकी ले गई। बताया गया युवक नशे में था।

कमल किशोर आर्य बने मथुरा डिपो के प्रभारी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए कमल किशोर आर्य को मथुरा डिपो का प्रभारी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार, कमल किशोर आर्य वर्तमान में झांसी क्षेत्र में यातायात अधीक्षक के पद पर परिवहन निगम मुख्यालय से संबद्ध थे। कमल किशोर आर्य अगले आदेश तक सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, मथुरा डिपो के पद से जुड़े सभी दायित्वों-प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन करेंगे।

जीवनधारा प्रोजेक्ट से किडनी मरीज को मिला नया सहारा

यूनिक समय, मथुरा। इनर व्हील क्लब मथुरा वेस्ट ने सामाजिक सेवा के तहत जीवनधारा प्रोजेक्ट की शुरुआत करते हुए एक जरूरतमंद किडनी मरीज को एक वर्ष के लिए गोद लिया है। मंडलाध्यक्ष डॉ. मनीषा बाजपेयी के नेतृत्व में क्लब ने मरीज के पूरे वर्ष के डायलिसिस का खर्च वहन करने का संकल्प लिया है। इस सेवा प्रकल्प की शुरुआत बृज चिकित्सा संस्थान, मथुरा में की गई। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीज को आर्थिक सहायता के साथ नई उम्मीद और जीवन जीने का संबल देना है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष समता भल्ला, सचिव राज भाटिया, कोषाध्यक्ष अंजू गुप्ता, पूर्व आईएसओ मीनाक्षी अनेजा तथा सीजीआर गरिमा साहू मौजूद रहीं।

एक वर्ष डायलिसिस खर्च उठाएगा इनर व्हील क्लब

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया मथुरा जंक्शन, रेल खंड का निरीक्षण

बैठक में अधिकारियों से वार्ता करते रेल संरक्षा आयुक्त।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रेल संरक्षा आयुक्त ने मथुरा जंक्शन और मथुरा–गोवर्धन रेलखंड का निरीक्षण कर संरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

पूर्वोत्तर परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर परिमंडल प्रणजीव सक्सेना ने आगरा मंडल का दो दिवसीय वैधानिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मथुरा जंक्शन और मथुरा–गोवर्धन रेलखंड का संरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण कर रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान ट्रैक, सिग्नल प्रणाली, समपार फाटक, स्टेशन व्यवस्थाओं और अन्य संरक्षा संबंधी अवसंरचनाओं का परीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त ने निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्यों के निष्पादन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए रखने पर बल दिया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक आगरा गिरीश कुमार गुप्ता सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने रेलखंड पर संचालित विकास कार्यों, संरक्षा उपायों और परिचालन व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की। रेल संरक्षा आयुक्त ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और विश्वसनीय रेल सेवाएं भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, सभी स्तरों पर निर्धारित संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

15 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई यूपी टेट परीक्षा

शनिवार को प्रेम देवी बालिका इंटर कालेज से परीक्षा देकर आते अभ्यर्थी।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी–टेट) 2026 के तीसरे दिन शनिवार को जिले के15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन माहौल में संपन्न हुई। जिला प्रशासन की कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के कारण परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था सुचारु रही। कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

परीक्षा प्रथम पाली में आयोजित की गई, जो सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली। इस पाली में उपस्थित अभ्यर्थी 6009 थे, जबकि 711 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी 15 परीक्षा केंद्रों पर 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट गई थी। इसके साथ ही पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया गया, जिससे परीक्षा केंद्रों के भीतर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद रही। डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने कंट्रोल रूम से सीसी कैमरों के माध्यम से परीक्षा की लगातार निगरानी की। दोनों अधिकारियों ने कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण भी किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डीएम–एसएसपी ने किया केंद्रों का निरीक्षण

कागजात जमा करने के बाद भी पात्र उज्ज्वला लाभ से वंचित

शेरगढ़ गैस एजेंसी की लापरवाही, पीड़ित ने एसडीएम से की शिकायत

एसडीएम से शिकायत करने जाता पीड़ित।

यूनिक समय, छाता। सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को धरातल पर पलीता लगाने का एक मामला सामने आया है। पीड़ित ने एसडीएम से शिकायत करके न्याय की गुहार लगाई है। रेवो देवी पत्नी लौहरे निवासी अजनौठी के सभी जरूरी कागजात जमा वर्ष 2018 में जमा किए थे। इसके बाद भी उसे फ्री गैस कनेक्शन और सिलेंडर नहीं दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कागजातों पर किसी अन्य व्यक्ति को योजना का लाभ दे दिया गया। पीड़िति के पुत्र हेतराम ने एसडीएम से मामले की शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। हेतराम ने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन पाने के लिए इंडेन शेरगढ़ गैस एजेंसी पर अपनी मां रेवो देवी के सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे। उपभोक्ता पूरी तरह से इस योजना के लिए पात्र था और उसे उम्मीद थी कि जल्द ही उसके घर में भी मुफ्त गैस चूल्हा जलेगा। आरोप लगाया है कि गैस एजेंसी के कर्मचारियों ने उसके कागजात तो जमा कर लिए, लेकिन जब वह कनेक्शन लेने पहुंचा, तो उसे टालमटोल कर भगा दिया गया। बाद में पता चला कि पीड़ित के नाम और दस्तावेजों का खेल कर गैस सिलेंडर और चूल्हा किसी दूसरे अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया गया।

गोकुल की सीवर समस्या हल को लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

यूनिक समय, गोकुल। नगर पंचायत अध्यक्ष संजय दीक्षित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को लिखकर गोकुल में सीवर लाइन डलवाने और यमुना में गिर रहे सभी नालों को टेपिग कराने की मांग की है। उन्होंने सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने, गोकुल बैराज पर नमामि गंगे के अंतर्गत मथुरा शहर के सबसे बड़े बनाए जा रहे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। चेयरमैन ने कहा कि गोकुल में सभी जगह खुली नालियां है, जिसमें मल मूत्र बहता रहता है। देश–विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों को यह वातावरण अच्छा नहीं लगता है, जिससे गोकुल की छवि खराब होती है।

तीन दिवसीय लोक अदालत 21 अगस्त से

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विकास कुमार के मार्गदर्शन में लोगों के समाधान के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समाधान समारोह–2026' के अंतर्गत 21, 22 और 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण किया जाएगा। जनपद से संबंधित चिन्हित मामलों की सुनवाई के लिए गठित पीठों के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सुरेंद्र प्रसाद अपर जनपद न्यायाधीश, की अध्यक्षता में अलग–अलग सुलह वार्ता बैठकें आयोजित हुईं। इनमें संबंधित पक्षकार उपस्थित होकर आपसी सहमति से विवादों के समाधान पर चर्चा की। बैठकों में पीठ के अन्य सदस्य और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह भी मौजूद रहीं।

ट्रैफिक पुलिस ने की ऑटो पर कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। ट्रैफिक पुलिस ने नियम विरुद्ध रुट पर चलने वाले ई रिक्शा और ऑटो के विरुद्ध कार्रवाई की है। पुलिस ने 26 ई-रिक्शा और ऑटो को सीज किया गया, जबकि 70 ई रिक्शा और ऑटो के चालान किए गए, जबकि अन्य यातायात नियमों का उलंघन करने वाले 95 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम 1988 के अनुसार कार्रवाई की गई।

गोवर्धन के कुंडों में लगातार हादसों से सहमे श्रद्धालु

बोले– अब आस्था के साथ सुरक्षा भी है जरूरी

यूनिक समय, गोवर्धन। गिरिराजजी की परिक्रमा और दर्शन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु गोवर्धन आते हैं। श्रद्धालु पवित्र कुंडों में स्नान भी करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से कुंडों में डूबने की लगातार हो रही घटनाओं ने श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा दी है। उनका कहना है कि हर हादसे के बाद कुछ दिन सख्ती दिखाई देती है, लेकिन फिर हालात पहले जैसे हो जाते हैं। ऐसे में कुंडों पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत है।

श्रद्धालुओं का कहना है कि वे भगवान गिरिराज महाराज का आशीर्वाद लेने आते हैं, लेकिन जब कुंडों में किसी की जान जाने की खबर मिलती है तो मन दुखी हो जाता है। कई परिवारों की खुशियां पल भर में मातम में बदल जाती हैं। इटावा से आए श्रद्धालु अनुराग मिश्रा ने कहते हैं कि गोवर्धन आकर मन को शांति मिलती है, लेकिन लगातार हो रही डूबने की घटनाओं से डर भी लगने लगा है। कुंडों पर हर समय गोताखोर और सुरक्षा कर्मी तैनात रहने चाहिए।

सोनीपत से आए श्रद्धालु रामप्रताप गुर्जर ने कहा कि जहां सबसे ज्यादा लोग स्नान करते हैं, वहां बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इससे लोगों की जान बचाई जा सकती है। ग्वालियर से आए श्रद्धालु राजीव शर्मा का कहना है कि कुंडों की गहराई और फिसलन की जानकारी साफ–साफ लिखी होनी चाहिए। फिरोजाबाद से आई श्रद्धालु पूनम सिंह ने कहा कि गोवर्धन हमारी आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु की सुरक्षा नगर पंचायत की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। हादसे रुकेंगे, तभी लोग निश्चिंत होकर दर्शन और स्नान कर सकेंगे।

राम मंदिर चंदा चोरी की हो सीबीआई जांच: विप्र समाज

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को वृंदावन स्थित उड़िया बाबा आश्रम में आयोजित अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की बैठक में श्रीराम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण की सीबीआइ से जांच कराने की मांग उठी। वक्ताओं ने कहा कि श्री कृष्ण जन्मभूमि प्रकरण न्यायालय से हल होगा, इसका पूर्ण विश्वास है।

संगठन के ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रांतीय महामंत्री पं. राजेश पाठक ने कहा कि 500 वर्ष की लड़ाई के बाद सुंदर मौका आया, जब राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ, लेकिन चंदा चोरी की घटना ने समुचे हिंदू जनमानस को जंझोर कर रख दिया है।

ब्रज प्रदेश उपाध्यक्ष पं. कुलदीप दुबे, महामंत्री ईश्वर चंद्र रावत ने कहा कि विप्र समाज एसआईटी जांच से संतुष्ट नहीं है, तत्काल प्रभाव से सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज या सीबीआई को केंद्र सरकार जांच का जिम्मा दे।

राममंदिर चंदा चोरी मामले की मामले की सीबीआई जांच की मांग करते महासभा के पदाधिकारी।

पं बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रकरण की सीबीआई जांच कराएं, ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियां को जिम्मेदार मानते हुए ट्रस्ट को भंग कर संतों को सौंपा जाएं। फर्जी जगतगुरु ने मथुरा आंदोलन की बात कही है।

अभी आंदोलन की मथुरा में कोई आवश्यकता नहीं, मामला न्यायालय में बिचाराधीन है, न्यायालय पर पूर्ण भरोसा है। एक दिन संपूर्ण कृष्ण जन्मभूमि स्थल का फैसला हिंदू जनमानस के पक्ष में होगा।

अशोक गोस्वामी और प्रदीप गोस्वामी ने कहा कि यह तो स्पष्ट है चोरी हुई है तो फिर केवल कर्मचारियों पर ही कार्रवाई क्यों। निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष निपेंद्र मिश्रा, महासचिव चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी, वासुदेवानंद का नार्को टेस्ट किया जाना चाहिए।

बैठक में राज नारायण गौड़, गोविंद शर्मा, बलराम शर्मा, मनोज शर्मा, रामबाबू शर्मा, कृष्णकांत पाराशर, राकेश गौड़,गोविंद गौड़, राजीव शर्मा, मदन मोहन शर्मा, महेश चंद शर्मा, गोल्डी धर्मेंद्र शर्मा, प्रयास चतुर्वेदी, शंकर लाल गणेशीया, महेंद्र पाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

श्री कृष्ण जन्मभूमि प्रकरण न्यायालय से हल होगा

ईपीएफओ पोर्टल में बड़ा बदलाव, बंद हुईं दो अहम सुविधाएं

आधार लिंक सेवा हटाई गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने ऑनलाइन पोर्टल में बड़ा तकनीकी बदलाव किया है। पोर्टल के अपग्रेडेशन के बाद दो महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाओं–यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) एक्टिवेशन और यूएएन से आधार लिंक करने की सुविधा–को फिलहाल पोर्टल से हटा दिया गया है। अब सदस्य पहले की तरह वेबसाइट पर जाकर इन दोनों प्रक्रियाओं को पूरा नहीं कर सकेंगे। इस बदलाव का असर देशभर के करोड़ों ईपीएफओ खाताधारकों पर पड़ेगा, जो अपनी भविष्य निधि और अन्य सेवाओं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। ईपीएफओ के अनुसार यह कदम डिजिटल सेवाओं को अधिक सुरक्षित, तेज और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। संगठन ने पोर्टल की तकनीकी संरचना को अपग्रेड किया है, ताकि उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव मिल सके और ऑनलाइन सेवाओं में आने वाली तकनीकी समस्याओं को कम किया जा सके। इसी प्रक्रिया के तहत कुछ सुविधाओं को पुराने पोर्टल से हटाकर नई डिजिटल व्यवस्था में स्थानांतरित किया जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने तक यूएएन एक्टिवेशन और आधार लिंकिंग की सुविधा पहले की तरह उपलब्ध नहीं रहेगी। संगठन ने बताया है कि जल्द ही इन सेवाओं के लिए नई प्रक्रिया और विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे। इसके बाद सदस्य तय किए गए नए माध्यमों के जरिए इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती दौर में कुछ कर्मचारियों और नियोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग सीधे पोर्टल के माध्यम से यूएएन सक्रिय करने और आधार लिंक करने की सुविधा का उपयोग करते थे। हालांकि उनका कहना है

पोर्टल अपग्रेड के बाद यूएएन एक्टिवेशन

कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पहले से अधिक बेहतर होगी। ईपीएफओ का कहना है कि नए सिस्टम से डेटा सुरक्षा मजबूत होगी, साइबर जोखिम कम होंगे और उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। साथ ही पोर्टल की कार्यक्षमता में भी सुधार होगा, जिससे भविष्य में ऑनलाइन सेवाएं अधिक तेज और सुचारु रूप से संचालित की जा सकेंगी। संगठन ने सभी खाताधारकों से अपील की है कि वे किसी भी अपडेट या नई प्रक्रिया की जानकारी केवल ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत सूचना माध्यमों से ही प्राप्त करें।

रेगिस्तान में बिना बिजली जमती थी बर्फ, प्राचीन तकनीक का कमाल

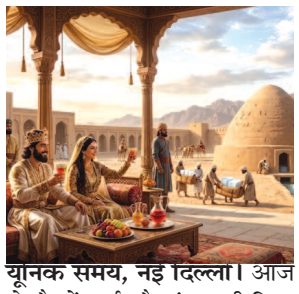

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के दौर में बर्फ और ठंडा पानी फ्रिज के बिना सोचना मुश्किल है, लेकिन हजारों साल पहले प्राचीन फारस (वर्तमान ईरान) के लोग बिना बिजली और मशीनों के रेगिस्तान में भी बर्फ तैयार कर लेते थे। इसके लिए वे 'यखचाल' नामक विशेष मिटटी के विशाल ढांचे का उपयोग करते थे, जो प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग का अनोखा उदाहरण माने जाते हैं। यखचाल का निर्माण विशेष मिश्रण वाली मिटटी, चूना, राख और बकरी के बालों से किया जाता था, जिससे अंदर का तापमान लंबे समय तक ठंडा बना रहता था। इसके नीचे गहरा भूमिगत भंडारण कक्ष होता था, जहां तैयार की गई बर्फ सुरक्षित रखी जाती थी। सर्दियों

'यखचाल' था प्राचीन प्राकृतिक रेफ्रिजरेटर

की साफ और ठंडी रातों में उथले पत्थर के कुंडों में पानी भरा जाता था। रेडिएटिव कूलिंग की प्राकृतिक प्रक्रिया से पानी अपनी गर्मी खो देता और रातभर में बर्फ की परत बन जाती। बाद में इस बर्फ को काटकर यखचाल के अंदर जमा कर दिया जाता था, जहां यह गर्मियों तक सुरक्षित रहती थी। कुछ यखचालों में बदगीर (हवा पकड़ने वाले टावर) भी लगाए जाते थे, जो ठंडी हवा को अंदर पहुंचाकर तापमान और कम कर देते थे। इस तकनीक से अंदर का तापमान बाहर की तुलना में 15 से 20 डिग्री सेल्सियस तक कम रहता था। प्राचीन फारस में इसी बर्फ से शर्बत, फालूदा और अन्य ठंडे पेय तैयार किए जाते थे। आज भी ईरान में कई ऐतिहासिक यखचाल मौजूद हैं। आधुनिक वैज्ञानिक भी इस पर्यावरण–अनुकूल तकनीक को टिकाऊशीतलन प्रणाली का बेहतरीन उदाहरण मानते हैं।

आयुर्वेद ने बताया मानसून में दही खाने का सही तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून के मौसम में दही खाने को लेकर कई तरह की धारणाएं प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे पूरी तरह छोड़ने की सलाह देते हैं, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि सही मात्रा और सही तरीके से दही का सेवन किया जाए तो यह नुकसान नहीं पहुंचाता। आयुर्वेद के अनुसार बारिश के दिनों में शरीर की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे में अधिक मात्रा में या ठंडी दही खाने से गैस, अपच, कफ और गले से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक दही की प्रकृति अम्लीय होती है, इसलिए मानसून में इसका सेवन सोच–समझकर करना चाहिए। खासतौर पर रात में दही खाने से बलगम बनने और गले में खराश की आशंका बढ़ सकती है। जिन लोगों को पहले से पाचन संबंधी समस्या, एसिडिटी या बार–बार सर्दी–जुकाम रहता है, उन्हें दही सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। हालांकि, दही पूरी तरह

गलत तरीका महंगा पड़ सकता है।

छोड़ना भी जरूरी नहीं है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र को मजबूत बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और हडिडयों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार दही में भुना जीरा, काला नमक, चीनी या मठ्ठे के रूप में सेवन करना अधिक लाभदायक माना जाता है। फ्रिज से निकालकर तुरंत दही खाने के बजाय उसे सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करना बेहतर रहता है। यदि दही का सेवन संतुलित मात्रा में और सही तरीके से किया जाए, तो इसके पोषक तत्वों का लाभ मिलता है और मौसम से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी कम रहता है।

रसोई की यह छोटी चीज़ बनाएगी बाल लंबे

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर हेयर फॉल, डैंड्रफ, समय से पहले सफेद बाल या कमजोर बालों की समस्या परेशान कर रही है, तो मेथी दाना आपके लिए असरदार घरेलू उपाय साबित हो सकता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, मेथी में प्रोटीन, निकोटिनिक एसिड, लेसिथिन और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाने और स्कैल्प को पोषण देने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, मेथी, गुड़हल और दही से बना हेयर मास्क बालों की देखभाल के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसे बनाने के लिए रातभर मेथी दाना और गुड़हल के फूल या पत्तियां भिगो दें। सुबह इन्हें पीसकर इसमें ठंडी ब्लैक टी और दही मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार करें। इस मास्क को स्कैल्प से लेकर बालों की लंबाई तक लगाएं और करीब 30 मिनट बाद धो लें। नियमित इस्तेमाल से बाल मजबूत, मुलायम और चमकदार बन सकते हैं, साथ ही हेयर फॉल और डैंड्रफ जैसी समस्याओं में भी राहत मिलने की संभावना रहती है।

10 मिनट में तैयार करें टेस्टी पनीर भुर्जी सैंडविच

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह की भागदौड़ में ऐसा नाश्ता मिल जाए जो जल्दी भी बन जाए, स्वादिष्ट भी हो और सेहत के लिए भी फायदेमंद हो, तो दिन की शुरुआत और बेहतर हो जाती है। पनीर भुर्जी सैंडविच ऐसी ही एक आसान रेसिपी है, जो महज 10 मिनट में तैयार हो जाती है। प्रोटीन से भरपूर यह नाश्ता लंबे समय तक पेट भरा रखने के साथ शरीर को भरपूर ऊर्जा भी देता है। यही वजह है कि यह बच्चों के टिफिन और ऑफिस जाने वालों के लिए शानदार विकल्प माना जाता है। इसे बनाने के लिए 200 ग्राम मैश या कद्दूकस किया हुआ पनीर, 4 से 6 ब्रेड स्लाइस, एक बारीक कटा प्याज, एक टमाटर, एक हरी मिर्च, हरा धनिया, आधा–आधा चम्मच हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला, स्वादानुसार नमक तथा मक्खन की आवश्यकता होती है। सबसे पहले पैन में थोड़ा मक्खन या तेल गर्म करें। इसमें हरी मिर्च और प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। फिर टमाटर डालकर नरम होने तक पकाएं। इसके बाद सभी मसाले मिलाकर मैश किया हुआ

हेल्दी नाश्ता, भरपूर प्रोटीन और शानदार स्वाद

पनीर डालें और दो से तीन मिनट तक अच्छी तरह भून लें। अंत में हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें। अब ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी या टोमैटो केचप लगाएं। तैयार पनीर भुर्जी को ब्रेड पर समान रूप से फैलाकर दूसरी स्लाइस से ढक दें। तवे या सैंडविच मेकर पर मक्खन लगाकर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें। गरमा–गरम पनीर भुर्जी सैंडविच को चाय, कॉफी, हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें। स्वाद, पोषण और आसान तैयारी का यह बेहतरीन मेल हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। अगर आप रोज एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो चुके हैं, तो यह रेसिपी आपकी सुबह को स्वाद और सेहत से भर सकती है।

इंस्टाग्राम के विज्ञापनों पर सरकार सख्त, मेटा को फिर नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को एक बार फिर नोटिस जारी कर इंस्टाग्राम पर दिखाए गए आपत्तिजनक विज्ञापनों को लेकर जवाब मांगा है। पिछले तीन दिनों में यह दूसरा मौका है, जब सरकार ने कंपनी से स्पष्टीकरण तलब किया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसे विज्ञापन सामने आए जिनमें बच्चों से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट होने की आशंका जताई गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से पूछा है कि ऐसे विज्ञापन प्लेटफॉर्म पर कैसे मंजूर हुए और उन्हें रोकने के लिए बनाए गए डिटेक्शन व मॉनिटरिंग सिस्टम क्यों विफल रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को पूरे मामले की जांच कर कंपनी से विस्तृत रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए हैं। मेटा ने

बच्चों से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट पर मांगा जवाब

सफाई देते हुए कहा कि संबंधित विज्ञापनों को प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। कंपनी का दावा है कि बच्चों से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ उसकी 'जीरो टॉलरेंस' नीति है और इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेटेड डिटेक्शन सिस्टम तथा विशेष समीक्षा टीम लगातार काम करती है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सएप के नए यूजरनेम फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस भेजा था। लगातार दूसरी बार नोटिस मिलने से साफ है कि सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है।

हजारों फूलों से तैयार होता है एक मुटटी केसर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत का 'सैफरन कैपिटल' कश्मीर का पाम्पोर शहर माना जाता है, जहां सदियों से उच्च गुणवत्ता वाले केसर की खेती की जा रही है। यहां की जलवायु, मिटटी और उंचाई केसर उत्पादन के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। पतझड़ के मौसम में बैंगनी फूलों से सजे खेत पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं। केसर के प्रत्येक रेशे को हाथों से सावधानीपूर्वक चुना जाता है और थोड़ी मात्रा तैयार करने के लिए हजारों फूलों की जरूरत पड़ती है। यही वजह है कि यह दुनिया के सबसे महंगे मसालों में शामिल है। पाम्पोर का केसर अपने गहरे लाल रंग, तेज खुशबू और बेहतरीन स्वाद के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। वर्ष 2020 में कश्मीरी केसर को जीआई टैग भी मिला, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।

तनाव नहीं, शरीर का यह अलार्म हो सकता है ब्रेन फ़ॉग की वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपको बार–बार चीजें भूलने, काम में ध्यान न लगने, मानसिक थकान या लगातार कन्फ्यूजन की समस्या हो रही है, तो इसे केवल तनाव या नींद की कमी मानकर नजरअंदाज न करें। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे लक्षण शरीर में विटामिन बी 12 की कमी का संकेत भी हो सकते हैं। समय रहते जांच और इलाज न होने पर इसका असर दिमाग और नसों पर पड़ सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, ब्रेन फॉग कोई बीमारी नहीं बल्कि ऐसी स्थिति है, जिसमें सोचने, याद रखने और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। विटामिन बी 12 लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, डीएनए बनाने और तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी होने पर याददाश्त कमजोर होना, हाथ–पैरों में झुनझुनी, कमजोरी और मानसिक थकान जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। पूरी तरह शाकाहारी भोजन करने वाले, 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, लंबे समय तक एसिडिटी या डायबिटीज की दवाएं लेने वाले और पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों में इसका खतरा अधिक रहता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि ऐसे लक्षण लगातार बने रहें तो बिना देरी डॉक्टर से परामर्श लेकर विटामिन बी 12 की जांच करानी चाहिए। समय पर उपचार से अधिकांश मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं।

सुविचार

प्रेम में अधिकार नहीं, अपनापन होना चाहिए।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी 01:31-01:47 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वभाद्रपदा 03:12-04:07 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:33 AM	चन्द्रोदय	10:45 PM
सूर्यास्त	7:14 PM	चंद्रास्त	10:59 AM
सूर्य राशि	मिथुन राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	11:56AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:31 PM: 07:14 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने के योग हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन: नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे। नई योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम रखें।

कर्क: परिवार के साथ सुखद समय बितेगा। निवेश सोच-समझकर करें। कार्यों में सफलता मिलेगी। मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह: नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ होगा। पुराने विवाद सुलझेंगे। आत्मविश्वास से निर्णय लेने पर सफलता मिलेगी।

कन्या: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। सेहत अच्छी रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

तुला: दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नई साझेदारी लाभदायक होगी। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक: कार्यस्थल पर प्रशंसा मिलेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। परिवार में खुशियां आएंगी। क्रोध से दूरी बनाए रखें।

धनु: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग हैं। करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर: व्यापार में लाभ मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश से फायदा होगा। पारिवारिक जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाएंगे।

कुंभ: नए संपर्क भविष्य में लाभ देंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। धैर्य बनाए रखें।

मीन: मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार में सौहार्द रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

आर्थिक तंगी के बीच उम्मीद जगाते सात शुभ संकेत

धार्मिक मान्यताओं में बताए गए समृद्धि के संकेत

मेहनत और योजना बदलती है आर्थिक तस्वीर

यूनिक समय, मथुरा। आथिक तगा के दौर में हर व्यक्ति यह जानना चाहता है कि आखिर उसकी परिस्थितियां कब बदलेंगी। भारतीय धार्मिक परंपराओं और लोकमान्यताओं में कुछ ऐसे संकेत बताए गए हैं, जिन्हें धन लाभ और आर्थिक उन्नति का शुभ संकेत माना जाता है। हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इन्हें केवल आस्था एवं परंपरा के रूप में ही देखा जाना चाहिए। मान्यता है कि यदि सुबह घर से निकलते समय गाय, हाथी, नारियल, शंख या स्वच्छ जल से भरा पात्र दिखाई दे तो यह सकारात्मक बदलाव का संकेत हो सकता है। इसी तरह बिना विशेष देखभाल के तुलसी का पौधा हरा-भरा रहना भी घर में सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार लंबे समय से रुका हुआ धन अचानक वापस मिलना, पुराने उधार का लौट आना या नए काम और नौकरी के अवसर मिलने लगना भी आर्थिक स्थिति में सुधार का संकेत माना जाता है। कई लोग घर में बढ़ती खुशियों, परिवार में बेहतर तालमेल और मानसिक शांति को भी सकारात्मक बदलाव से जोड़कर देखते हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि पूजा-पाठ के दौरान दीपक की लौ का स्थिर रहना, अगरबत्ती की सुगंध का लंबे समय तक महसूस होना या मन में विशेष शांति का अनुभव होना भी शुभ संकेत हो सकता है। हालांकि ये पूरी तरह व्यक्तिगत आस्था और अनुभव का विषय हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता केवल शुभ संकेतों से नहीं मिलती। सही वित्तीय योजना, नियमित बचत, आय के नए स्रोत तलाशना, कौशल में सुधार और समझदारी से किया गया निवेश ही आर्थिक मजबूती की वास्तविक नींव है। कठिन समय में धैर्य बनाए रखना और अवसरों का सही उपयोग करना लंबे समय में बेहतर परिणाम देता है।

इसलिए यदि जीवन में ऐसे शुभ संयोग दिखाई दें तो उन्हें सकारात्मक प्रेरणा के रूप में लें, लेकिन आर्थिक उन्नति के लिए मेहनत, अनुशासन और सही निर्णयों को ही सबसे अधिक महत्व दें।

शनिवार को लड़के न जाएं ससुराल

तेल-नमक और लोहे की चीजें खरीदने से बचें

सप्ताह के सातों दिन बदलते हैं शुभ-अशुभ नियम

यूनिक समय, मथुरा। क्या आप जानते हैं कि सप्ताह का हर दिन केवल तारीख बदलने का संकेत नहीं देता, बल्कि उससे जुड़ी कई धार्मिक मान्यताएं भी हैं? सनातन परंपरा में सोमवार से रविवार तक प्रत्येक दिन किसी विशेष देवी-देवता और ग्रह को समर्पित माना गया है। इसी आधार पर कुछ ऐसे कार्य बताए गए हैं, जिन्हें संबंधित दिन करने से बचना शुभ माना जाता है। इन मान्यताओं का पालन कई परिवार आज भी आस्था और परंपरा के रूप में करते हैं।

सोमवार भगवान शिव और चंद्रदेव का दिन माना जाता है। इस दिन सफेद वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है, जबकि काले रंग के कपड़े पहनने और दूध जैसी सफेद वस्तुओं का दान करने से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

मंगलवार भगवान हनुमान को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन बाल और नाखून नहीं कटवाने चाहिए, क्योंकि इससे कार्यों में बाधा आ सकती है। बुधवार भगवान गणेश का दिन है। इस दिन उधार लेना या देना शुभ नहीं माना जाता। साथ ही बहन-बेटी का सम्मान करने, कटु वचन से बचने और पश्चिम दिशा की यात्रा टालने की भी मान्यता है।

गुरुवार बृहस्पति देव का दिन माना जाता है। इस दिन बाल धोना, बाल कटवाना, कपड़े धोना, पोछा लगाना और केले का सेवन करने से बचने की परंपरा प्रचलित है।

शुक्रवार मां लक्ष्मी और मां संतोषी की आराधना का दिन है। इस दिन खट्टी चीजों के सेवन से बचने और महिलाओं का सम्मान करने पर विशेष बल दिया जाता है।

शनिवार सबसे अधिक चर्चित दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन लड़कों को ससुराल नहीं जाना चाहिए। साथ ही तेल, नमक, लकड़ी, कोयला और लोहे की वस्तुओं की खरीदारी से भी बचने की सलाह दी जाती है। गरीबों और बुजुर्गों का अपमान करना भी अशुभ माना गया है।

रविवार भगवान सूर्य को समर्पित है। इस दिन तामसिक भोजन और नशे से दूर रहकर सूर्यदेव को अर्घ्य देने तथा बड़ों का सम्मान करने की परंपरा है।

पुरानी झाड़ू बदलने से पहले जान लें ये नियम

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में झाड़ू को केवल सफाई का साधन नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू का संबंध देवी लक्ष्मी और शुक्र ग्रह से जोड़ा जाता है। इसलिए इसे बदलने और रखने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। हालांकि इन मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन्हें आस्था के रूप में देखा जाता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार जब झाड़ू की तीलियां टूटने लगें और उससे ठीक तरह से सफाई न हो, तब उसे बदल देना चाहिए। नई झाड़ू खरीदने के लिए शुक्रवार को शुभ माना जाता है। इसके अलावा धनतेरस, अक्षय तृतीया और वसंत पंचमी जैसे अवसरों पर भी नई झाड़ू लाना शुभ माना जाता है।

मान्यता है कि पुरानी झाड़ू को किसी को दान नहीं करना चाहिए और न ही उसे लापरवाही से कूड़े में फेंकना चाहिए। इसे किसी पुराने कपड़े में लपेटकर सम्मानपूर्वक हटाने की सलाह दी जाती है। नई झाड़ू को घर में लाकर कई लोग पहले पूजा करते हैं, फिर उसका उपयोग शुरू करते हैं। वास्तु के अनुसार झाड़ू को हमेशा लेटाकर रखना चाहिए और घर की झाड़ू का उपयोग बाहर की सफाई के लिए नहीं करना चाहिए। इन नियमों को धार्मिक परंपरा और लोकमान्यता का हिस्सा माना जाता है।

स्नेक प्लांट सुंदरता के साथ हवा भी रखे स्वच्छ

कम देखभाल में वर्षों तक हरा भरा रहेगा

वास्तु मान्यताओं में भी माना जाता शुभ पौधा?

यूनिक समय, मथुरा। घर और ऑफिस की सजावट के लिए लगाए जाने वाले इंडोर पौधों में स्नेक प्लांट (संसेविएरिया) तेजी से लोगों की पसंद बनता जा रहा है। इसकी लंबी हरी पत्तियां न केवल घर की खूबसूरती बढ़ाती हैं, बल्कि यह इनडोर वातावरण को बेहतर बनाने में भी सहायक माना जाता है। कम देखभाल में आसानी से बढ़ने वाला यह पौधा व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों के लिए अच्छा विकल्प है।

विशेषज्ञों के अनुसार स्नेक प्लांट घर के अंदर मौजूद कुछ हानिकारक प्रदूषकों जैसे फॉर्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यही कारण है कि इसे घर, कार्यालय और अन्य बंद स्थानों में लगाने की सलाह दी जाती है। यह उन पौधों में शामिल है जो रात के समय भी ऑक्सीजन छोड़ते हैं, इसलिए कई लोग इसे बेडरूम में रखना पसंद करते हैं। हालांकि, किसी एक पौधे से कमरे की हवा पूरी तरह शुद्ध हो जाती है, ऐसा मानना सही नहीं है। बेहतर वेंटिलेशन भी उतना ही जरूरी है। स्नेक प्लांट मानसिक तनाव कम करने और सकारात्मक वातावरण बनाने में भी सहायक माना जाता है। घर या कार्यस्थल पर हरियाली होने से मन को सुकून मिलता है और कार्यक्षमता बढ़ने का अनुभव होता है। इसकी आकर्षक बनावट इंटीरियर की खूबसूरती में भी चार चांद लगा देती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार स्नेक प्लांट को उत्तर, पूर्व या ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में रखना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर रहती है। हालांकि, इन दावों का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन्हें आस्था के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

इस पौधे की देखभाल भी बेहद आसान है। इसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती। मिट्टी पूरी तरह सूखने पर ही पानी देना चाहिए, क्योंकि अधिक नमी से इसकी जड़ें सड़ सकती हैं। यह हल्की या अप्रत्यक्ष धूप में भी अच्छी तरह विकसित होता है।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि स्नेक प्लांट की पत्तियां यदि छोटे बच्चे या पालतू कुत्ते-बिल्ली गलती से खा लें तो उन्हें उल्टी, मतली या पेट संबंधी परेशानी हो सकती है। इसलिए इसे उनकी पहुंच से दूर रखना चाहिए। सही देखभाल और सावधानी के साथ स्नेक प्लांट घर और ऑफिस दोनों के लिए सुंदर, टिकाऊ और उपयोगी इंडोर पौधा साबित हो सकता है।

सम्पादकीय

प्रकृति से खिलवाड़ पीढ़ियों पर पड़ेगा भारी

यूरोप की भीषण हीट वेव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रकृति के सामने आधुनिक तकनीक और आर्थिक समृद्धि भी सीमित हैं। हरियाली, बेहतर शहरी नियोजन और उन्नत संसाधनों के बावजूद फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश रिकॉर्ड तापमान और उससे हुई जनहानि को रोक नहीं सके। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की गंभीर चेतावनी है, जिसे अब नजरअंदाज करना भविष्य से खिलवाड़ होगा।

भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। इस वर्ष मानसून में देरी ने खेती और खाद्य सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यदि वर्षा का वितरण असंतुलित रहा तो इसका असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि करोड़ों लोगों की थाली तक पहुंचेगा। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश के लिए यह पर्यावरण के साथ–साथ आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है। विडंबना यह है कि हमने विकास की दौड़ में उन पारंपरिक कृषि प्रणालियों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने सदियों तक प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखा। रागी, कोदो, कुटकी, सांवा और ज्वार जैसे मोटे अनाज कभी ग्रामीण जीवन और पोषण सुरक्षा की पहचान थे। आज पूरी दुनिया इन्हें 'सुपर फूड' मानकर अपना रही है, जबकि भारत के कई हिस्सों में इनकी खेती लगातार घटती जा रही है। बाजार आधारित खेती और रासायनिक कृषि ने उत्पादन तो बढ़ाया, लेकिन मिट्टी, जल और जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाया।

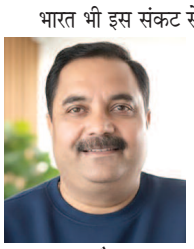

पवन गौतम
संपादक

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

प्रकृति का संकट केवल बढ़ते तापमान तक सीमित नहीं है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, भूजल का दोहन और रासायनिक खेती ने पर्यावरण का संतुलन कमजोर कर दिया है। इसका असर अब अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और बढ़ती गर्मी के रूप में सामने आ रहा है। सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि इसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। समाधान केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और विकास की सोच में बदलाव से निकलेगा। प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग, पारंपरिक कृषि को प्रोत्साहन, मोटे अनाजों का विस्तार, जल संरक्षण और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण समय की मांग है। साथ ही आदिवासी और ग्रामीण समाज की उन पारंपरिक जीवन पद्धतियों से भी सीखना होगा, जिन्होंने सदियों तक प्रकृति को संसाधन नहीं, जीवन का आधार माना। प्रकृति बार–बार संकेत दे रही है कि विकास और पर्यावरण विरोधी नहीं, बल्कि एक–दूसरे के पूरक हैं। यदि हमने समय रहते इस संदेश को नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियों को विरासत में समृद्ध धरती नहीं, बल्कि संकटों से घिरा भविष्य मिलेगा। इसलिए अब प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सहअस्तित्व का रास्ता चुनना ही मानवता के हित में होगा।

नजरिया

अब ओजोन बना प्रदूषण की नई चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

दिल्ली लंबे समय से वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। सर्दियों में जहरीली धुंध, बढ़ता पीएम 2.5 स्तर और खराब वायु गुणवत्ता राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते रहे हैं। लेकिन अब प्रदूषण का एक ऐसा रूप तेजी से सामने आ रहा है, जो दिखाई नहीं देता, फिर भी स्वास्थ्य, पर्यावरण और कृषि पर गंभीर असर डाल रहा है। यह है भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। गर्मियों में बढ़ते तापमान और तीखी धूप के कारण बनने वाली यह गैस अब केवल दिल्ली–एनसीआर तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि देश के कई बड़े शहरों के लिए नई चुनौती बन चुकी है। ऐसे में वायु प्रदूषण पर होने वाली चर्चा को केवल धूल, धुएं और पराली तक सीमित रखने के बजाय ओजोन प्रदूषण पर भी गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

सामान्यतः ओजोन का नाम सुनते ही लोगों के मन में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाने वाली ओजोन परत का विचार आता है। वास्तव में वायुमंडल की ऊपरी परत में मौजूद ओजोन जीवन के लिए सुरक्षा कवच का काम करती है। इसके विपरीत धरातल के निकट बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है। यह सीधे उत्सर्जित नहीं होती, बल्कि वाहनों, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिक तेज धूप और अधिक तापमान में रासायनिक प्रतिक्रिया करके इसे बनाते हैं। यही कारण है कि गर्मियों के महीनों में इसका स्तर तेजी से बढ़ जाता है।

ओजोन प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अदृश्य होता है। न तो यह धुएं की तरह दिखाई देता है और न ही इसकी कोई स्पष्ट गंध होती है। इसके बावजूद यह धीरे–धीरे मानव शरीर को प्रभावित करता है। लगातार संपर्क में रहने पर सांस लेने में कठिनाई, गले में जलन, आंखों में चुभन, फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, अस्थमा और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से श्वसन रोगों से पीड़ित लोगों के लिए इसका खतरा और अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि लंबे समय तक ओजोन के संपर्क में रहने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है।

दिल्ली की भौगोलिक और शहरी परिस्थितियां इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने हरित क्षेत्रों को सीमित कर दिया है। बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, कंक्रीट के विस्तार और जलाशयों के खत्म होने से शहर का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसे शहरी ऊष्मा द्वीप (अर्बन हीट आइलैंड) प्रभाव कहा जाता है। अधिक तापमान ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करता है। यही कारण है कि गर्मियों के दौरान दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में ओजोन का स्तर कई बार चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाता है। वायु प्रदूषण की चर्चा अक्सर पराली जलाने या वाहनों तक सीमित रह जाती है, जबकि

वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। उद्योगों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों की धूल, डीजल जनरेटर, ताप विद्युत संयंत्र, कचरा जलाना और अनियोजित शहरी विस्तार सभी मिलकर प्रदूषण की जटिल समस्या पैदा करते हैं। इसलिए किसी एक कारण या किसी एक वर्ग को जिम्मेदार ठहराकर समाधान नहीं खोजा जा सकता। आवश्यकता व्यापक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की है। हाल के वर्षों में दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने जैसे कई कदम उठाए हैं। ये प्रयास सकारात्मक दिशा में हैं, लेकिन केवल वाहन नीति से प्रदूषण की पूरी समस्या का समाधान संभव नहीं होगा। यदि बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा अब भी कोयले पर आधारित रहेगा तो प्रदूषण का स्वरूप बदल जाएगा, समाप्त नहीं होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों को समान गति से बढ़ावा देना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। कृषि पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ओजोन पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करती है, जिससे गेहूं, धान, सोयाबीन और अन्य फसलों की उत्पादकता घट सकती है। ऐसे समय में जब किसान पहले से जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। इसका सीधा असर खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। वर्तमान में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का मुख्य फोकस पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे कणीय प्रदूषकों को कम करने पर है। हालांकि बदलती परिस्थितियों में अब ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी और नियंत्रण को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए आधुनिक वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का विस्तार, वास्तविक समय में आंकड़ों की उपलब्धता और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना जरूरी है। केवल आंकड़े जुटाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके आधार पर प्रभावी नीति बनाना भी आवश्यक होगा। प्रदूषण नियंत्रण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। निजी वाहनों के अत्यधिक उपयोग के बजाय सार्वजनिक परिवहन अपनाना, छोटी दूरी के लिए पैदल चलना या साइकिल का प्रयोग करना, कचरा न जलाना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के उपाय करना और ऊर्जा की बचत करना जैसे छोटे–छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। इसी तरह शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास, वर्षा जल संचयन और पुराने तालाबों तथा जलाशयों का पुनर्जीवन भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वायु प्रदूषण का आर्थिक प्रभाव भी कम नहीं है। बढ़ती बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ता है, कार्यक्षमता घटती है और उत्पादकता प्रभावित होती है। विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययन यह संकेत देते हैं कि खराब वायु गुणवत्ता किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। भविष्य की दृष्टि से सबसे अधिक चिंता बच्चों और युवाओं को लेकर है। लगातार प्रदूषित वातावरण में पल रही नई पीढ़ी के स्वास्थ्य पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकते हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में श्वसन रोग, हृदय रोग और पर्यावरणीय संकट और गंभीर रूप ले सकते हैं। इसलिए प्रदूषण को केवल मौसमी समस्या मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। समाधान का रास्ता समन्वित प्रयासों से ही निकलेगा। केंद्र और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों, उद्योगों, वैज्ञानिक संस्थानों और नागरिक समाज को साझा रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ शहरी विकास, हरित परिवहन, आधुनिक निगरानी प्रणाली और जनजागरूकता–इन सभी को एक साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही भविष्य का रास्ता है।

आज आवश्यकता केवल प्रदूषण के स्रोतों को दोष देने की नहीं, बल्कि विकास की ऐसी संस्कृति विकसित करने की है जो प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे। यदि समय रहते ओजोन प्रदूषण जैसी अदृश्य चुनौती को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले वर्षों में यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए और बड़ा संकट बन सकती है। स्वच्छ हवा केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, मजबूत अर्थव्यवस्था और सुरक्षित भविष्य का भी आधार है। इसलिए अब नीतियों, तकनीक और जनभागीदारी को एक साथ जोड़कर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिससे विकास की गति भी बनी रहे और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण भी मिल सके।

विचार विंडो

लापरवाही की आग में कब तक जलती रहेंगी जिंदगियां?

योगेश गोयल

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक ही क्यों सीमित हैं? जिन माता–पिता ने अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ कोचिंग भेजा था, उन्हें उनकी अर्थियां उठानी पड़ीं। यह केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता का प्रतीक है, जो हर बड़ी त्रासदी के बाद संवेदना तो व्यक्त करती है, लेकिन सुधार के नाम पर कुछ समय बाद फिर पुराने ढर्रे पर लौट जाती है। हर बार जब ऐसी कोई घटना होती है, प्रशासन जांच के आदेश देता है, मुआवजे की घोषणा होती है, कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है। लेकिन कुछ महीनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है।

अगली दुर्घटना तक फाइलें बंद रहती हैं और सुरक्षा व्यवस्था फिर लापरवाही के भरोसे चलती रहती है। यही कारण है कि देश के अलग–अलग शहरों में अग्निकांड बार–बार दोहराए जा रहे हैं।

लखनऊ की घटना ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि किसी भवन में केवल पढ़ाई या व्यवसाय चलाना पर्याप्त नहीं है। उससे कहीं अधिक जरूरी यह है कि वहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित बाहर निकल सके। यदि किसी इमारत में पर्याप्त निकास मार्ग नहीं हैं, अग्निशमन उपकरण काम नहीं कर रहे, बिजली व्यवस्था असुरक्षित है और क्षमता से अधिक लोगों को बैठाया जा रहा है, तो वह भवन शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि संभावित मौत का जाल बन जाता है।

देश इससे पहले भी कई बड़े अग्निकांड देख चुका है। हर घटना की जांच में लगभग एक जैसे तथ्य सामने आते हैं–अवैध निर्माण, फायर एनओसी की अनदेखी, बंद आपातकालीन निकास, नियमों का उल्लंघन और प्रशासनिक लापरवाही। सवाल यह है कि जब कारण वर्षों से नहीं बदले, तो समाधान अब तक क्यों नहीं बदल पाया? इसका उत्तर व्यवस्था की कमजोर जवाबदेही और भ्रष्ट तंत्र में छिपा है।

अवैध निर्माण किसी एक दिन में खड़े नहीं हो जाते। किसी भी भवन के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन की भूमिका होती है। इसके बावजूद यदि नियमों की अनदेखी कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो जाती हैं, तो यह मानना कठिन है कि संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं होती। सच्चाई यही है कि कई बार भ्रष्टाचार और मिलीभगत के कारण नियमों को नजरअंदाज कर दिया जाता है और मानव जीवन से अधिक महत्व आर्थिक लाभ को मिलने लगता है।

देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। सीमित जगह में अधिक व्यावसायिक लाभ कमाने की होड़ में भवन मालिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर अतिरिक्त मंजिलें बना लेते हैं, बेसमेंट का गलत उपयोग करते हैं और आपातकालीन निकास को भी व्यावसायिक उपयोग में बदल देते हैं। ऐसी इमारतें सामान्य दिनों में भले सुरक्षित दिखाई दें, लेकिन आग लगते ही वे मौत के फंदे में बदल जाती हैं। सबसे अधिक चिंता कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, निजी स्कूलों, छात्रावासों, मॉल और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लेकर है। इन स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहते हैं, लेकिन अनेक भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन अधूरा है। कई जगह अग्निशमन यंत्र केवल औपचारिकता के लिए लगे होते हैं, कर्मचारियों को उनका उपयोग तक नहीं आता और आपात स्थिति से निपटने का कोई अभ्यास भी नहीं कराया जाता। ऐसी परिस्थितियों में दुर्घटना होने पर अफरा–तफरी बढ़ जाती है और जान–माल का नुकसान कई गुना बढ़ जाता है।

केवल भवन मालिकों को दोषी ठहराना भी पर्याप्त नहीं होगा। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी नियमित निरीक्षण और नियमों का पालन सुनिश्चि त करने की है, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में अवैध निर्माण वर्षों तक चलता रहे या बिना सुरक्षा मानकों के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होती रहें, तो संबंधित विभाग भी समान रूप से उत्तरदायी हैं। जब तक प्रशासनिक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुधार केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाएगा। अब आवश्यकता केवल नियम बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सख्ती से लागू करने की है। सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों और सार्वजनिक परिसरों का समयबद्ध डिजिटल सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। फायर एनओसी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और ऑनलाइन हो, ताकि कोई भी नागरिक संबंधित भवन की सुरक्षा स्थिति देख सके। निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और नियमों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई हो। केवल जुर्माना लगाने की परंपरा पर्याप्त नहीं है। गंभीर उल्लंघन की स्थिति में भवन को सील करने और अवैध निर्माण हटाने जैसी कठोर कार्रवाई भी आवश्यक है। साथ ही आम नागरिकों में भी सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। किसी भी संस्थान में प्रवेश करते समय आपातकालीन निकास मार्ग, अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना अब केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि समाज का भी दायित्व है। स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में समय–समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए, ताकि आपात स्थिति में घबराहट के बजाय व्यवस्थित तरीके से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। लखनऊकी यह त्रासदी केवल कुछ परिवारों का व्यक्तिगत शोक नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। यदि हर हादसे के बाद केवल संवेदनाएं व्यक्त कर अगली दुर्घटना का इंतजार किया जाएगा, तो ऐसी घटनाएं कभी नहीं रुकेंगी। अब समय आ गया है कि सुरक्षा को औपचारिकता नहीं, प्राथमिकता बनाया जाए। जब तक भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार, जवाबदेही तय करने की स्पष्ट व्यवस्था और नियमों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक किसी भी शहर की कोई भी इमारत अगली त्रासदी का केंद्र बन सकती है। मासूम जिंदगियों की सुरक्षा किसी भी विकास मॉडल से अधिक महत्वपूर्ण है और यही किसी जिम्मेदार व्यवस्था की सबसे बड़ी पहचान भी होनी चाहिए।

वैभव की दस्तक बढ़ाएगी तिलक वर्मा की मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टी 20 टीम में बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का हालिया प्रदर्शन टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बनता दिखाई दे रहा है। खासकर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में आगामी मुकाबलों में उनके बल्लेबाजी क्रम या टीम में स्थान को लेकर बदलाव की संभावना जताई जा रही है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी 20 मुकाबले में तिलक वर्मा 13 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हो गए। मैच के दौरान इंग्लैंड ने उनके खिलाफ स्पिन गेंदबाजों का प्रभावी इस्तेमाल किया, जिससे उनकी रन बनाने की गति पर असर पड़ा। इससे पहले भी आईपीएल में कई टीमों ने उनके खिलाफ

स्पिन के सामने तिलक की बढ़ीं मुश्किलें लगातार

यही रणनीति अपनाई थी। आंकड़ों पर नजर डालें तो हाल के मुकाबलों में स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ तिलक का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर स्ट्राइक रेट बेहतर है, लेकिन स्पिन के सामने यह काफी कम हो जाता है। यही कारण है कि मध्यक्रम में उनकी भूमिका पर लगातार चर्चा हो रही है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि तिलक वर्मा तीसरे या चौथे नंबर पर अधिक प्रभावी बल्लेबाज साबित हो सकते हैं। वहीं निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका निभाते हुए भी उन्होंने तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इसके बावजूद पांचवें नंबर पर उन्हें अब तक वैसी सफलता नहीं मिल सकी है, जिसकी टीम को जरूरत है। दूसरी ओर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के संभावित डेब्यू की चर्चाएं भी तेज हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने बल्लेबाजी क्रम तय करने और अंतिम एकादश चुनने की चुनौती बढ़ गई है। हालांकि अंतिम फैसला परिस्थितियों, टीम संयोजन और खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों में तिलक वर्मा के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी, क्योंकि यही उनके आगे के अवसरों की दिशा तय कर सकता है।

मातृभूमि' पर अफवाहों को सलमान ने किया खारिज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही सर्टिफिकेशन संबंधी अफवाहों पर निर्माता कंपनी ने स्पष्ट बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा कि फिल्म को अभी तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया है। ऐसे में फिल्म के प्रमाणन में किसी तरह की रुकावट या विवाद की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। सलमान खान फिल्म्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी बयान में कहा कि कुछ रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि फिल्म को सीबीएफसी से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया अभी शुरू ही नहीं हुई है। इसलिए इस तरह की सभी खबरें भ्रामक और तथ्यहीन हैं। निर्माता कंपनी ने मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया

आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील

उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी साझा करने से बचें। साथ ही कहा गया है कि फिल्म से जुड़ी हर आधिकारिक जानकारी केवल सलमान खान फिल्म्स के आधिकारिक माध्यमों से ही जारी की जाएगी। अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है और अब माना जा रहा है कि जल्द ही इसका ट्रेलर भी जारी किया जा सकता है। निर्माताओं ने साफ किया है कि दर्शक किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

'सतलुज', दिलजीत दोसांझ की फिल्म बटोर रही सराहना

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 पर रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई है। यह फिल्म सिर्फ एक ऐतिहासिक ड्रामा नहीं, बल्कि पंजाब के अशांत दौर से जुड़े उन अनकहे अध्यायों को सामने लाती है, जिन पर लंबे समय तक कम चर्चा हुई। फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह के संघर्ष से प्रेरित है, जिन्होंने कथित गैर–कानूनी अंतिम संस्कारों और गुमशुदगी के मामलों की सच्चाई सामने लाने का साहस दिखाया। फिल्म यह संदेश देती है कि एक आम नागरिक भी सच्चाई और न्याय के लिए व्यवस्था को चुनौती दे सकता है। कहानी में इतिहास के उन पहलुओं को दिखाया गया है, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। साथ ही यह बताती है कि हर आंकड़े के पीछे किसी परिवार का दर्द और इंसानी संवेदनाएं छिपी होती हैं। 'सतलुज' केवल पंजाब की कहानी नहीं है, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय की जरूरत जैसे सार्वभौमिक विषयों को भी सामने रखती है। फिल्म दर्शकों को अतीत को समझने, उससे सीखने और भविष्य को बेहतर बनाने का संदेश देती है। समीक्षकों के अनुसार, यह फिल्म इतिहास, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रभावशाली मिश्रण है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

समय रैना के एक डायलॉग ने फिर छेड़ी नीट बहस

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर अपने लोकप्रिय शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' के एक वीडियो क्लिप को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा की वजह उनका नीट परीक्षा विवाद पर किया गया मजाक है। शो में एक मेडिकल छात्र से बातचीत के दौरान समय रैना ने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, "पहले असली डॉक्टर बन जाओ, पेपर लीक है।" यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई है और इसे लेकर नई बहस छिड़ गई है। वायरल वीडियो में समय रैना मंच पर मौजूद एक प्रतिभागी से उसकी मेडिकल पढ़ाई को लेकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने परीक्षा और पेपर लीक विवाद का जिक्र करते हुए व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। शो में मौजूद दर्शकों ने इस पर हंसी और तालियों से प्रतिक्रिया दी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे लेकर लोगों की राय बंटी हुई

नजर आई। कुछ यूजर्स ने इसे मौजूदा शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य बताया, जबकि कई लोगों ने इसे गंभीर मुद्दे पर की गई गैर–जरूरी टिप्पणी माना। बीते कुछ वर्षों में नीट परीक्षा को लेकर पेपर लीक, परीक्षा की पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य से जुड़े कई विवाद सामने आ चुके हैं। ऐसे में समय रैना का यह मजाक फिर उसी मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ले आया। सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप पर हजारों लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों का कहना है कि कॉमेडी के जरिए समाज के संवेदनशील मुद्दों को उठाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है, जबकि कुछ का मानना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मामलों पर मजाक करने से छात्रों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। हालांकि समय रैना या उनकी टीम की ओर से इस वायरल वीडियो

पेपर लीक पर कॉमेडियन की टिप्पणी बनी चर्चा का विषय

पर कोई अलग आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शो के निर्माताओं ने भी इस विषय पर कोई बयान जारी नहीं किया है। इससे पहले भी समय रैना अपने शो के कई एपिसोड और बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। गौरतलब है कि 'इंडियाज गॉट लेटेंट' का दूसरा सीजन हाल ही में नए प्रारूप के साथ शुरू हुआ है। शो के नए एपिसोड लगातार सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं और दर्शकों के बीच अच्छी चर्चा बटोर रहे हैं। इस बीच नीट विवाद पर समय रैना की यह टिप्पणी एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर रही है कि क्या कॉमेडी के मंच पर संवेदनशील मुद्दों पर व्यंग्य की कोई सीमा होनी चाहिए

कोलंबिया की जीत के साथ तय हुईं अंतिम 16 टीमें

घाना को 1–0 से हराकर कोलंबिया ने बनाई जगह

प्री–क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड से होगी भिड़ंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 का अंतिम मुकाबला कोलंबिया और घाना के बीच खेला गया, जिसमें कोलंबिया ने 1–0 से जीत दर्ज कर प्री–क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ ही टूर्नामेंट के अंतिम 16 टीमों के नाम भी तय हो गए हैं और अब खिताब की असली जंग शुरू होने जा रही है।

मुकाबले में कोलंबिया ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के 14वें मिनट में झोन आरियास ने शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। घाना ने बराबरी की पूरी कोशिश की, लेकिन कोलंबिया की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। आखिर तक यही एक गोल निर्णायक साबित हुआ और कोलंबिया ने अगले दौर का टिकट हासिल कर लिया।

अब प्री–क्वार्टर फाइनल में कोलंबिया का सामना स्विट्जरलैंड से होगा। वहीं नॉकआउट चरण का पहला मुकाबला कनाडा और मोरक्को के बीच खेला जाएगा। इसके बाद परागवे की भिड़ंत फ्रांस से होगी। ब्राजील और नॉर्वे, जबकि मेक्सिको और इंग्लैंड भी आमने–सामने होंगे।

फुटबॉल प्रेमियों की सबसे ज्यादा नजर स्पेन और पुर्तगाल के बीच होने वाले मुकाबले पर रहेगी। इसके अलावा मेजबान अमेरिका का सामना बेल्जियम से होगा, जबकि अर्जेंटीना और मिस्र भी जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगे।

अब टूर्नामेंट में केवल 16 टीमें बची हैं और हर मुकाबला 'करो या मरो' का होगा।

हारने वाली टीम सीधे विश्व कप से बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम खिताब की दौड़ में एक कदम और आगे बढ़ेगी। ऐसे में आने वाले मुकाबलों में रोमांच, कड़ा संघर्ष और विश्व फुटबॉल के कई यादगार पल देखने को मिल सकते हैं।

लता की आवाज के मुरीद थे बड़े गुलाम अली खान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत में लता मंगेशकर और उस्ताद बड़े गुलाम अली खान का रिश्ता सम्मान, साधना और सुरों की विरासत का प्रतीक माना जाता है। दोनों से जुड़ा एक चर्चित किस्सा आज भी संगीत प्रेमियों के बीच खूब सुनाया जाता है। कहा जाता है कि जब एक बार संगीत पर चर्चा के दौरान लता मंगेशकर की गायकी का जिक्रहुआ तो बड़े गुलाम अली खान ने मुस्कुराते हुए कहा, "ससुरी कभी बेसुरी नहीं होती।" उनके इस एक वाक्य को लता की गायकी की सबसे बड़ी सराहना माना जाता है। लोकप्रिय किस्सों के अनुसार, बड़े गुलाम अली खान ने पहली बार रेडियो पर लता मंगेशकर की आवाज सुनी तो वे उनकी मधुरता में इतने खो गए कि अपनी ही बंदिश भूल बैठे। दूसरी ओर, लता मंगेशकर भी उन्हें अपना उस्ताद मानती थीं और कई इंटरव्यू में उनके प्रति गहरा सम्मान व्यक्त कर चुकी थीं। संगीत विशेषज्ञों का मानना है कि यह किस्सा दो महान कलाकारों के बीच पारस्परिक सम्मान और भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिसे आज भी बड़े गर्व से याद किया जाता है।

मैनचेस्टर में बल्लेबाज या गेंदबाज किसका रहेगा बोलबाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला मैनचेस्टर के ऐतिहासिक ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दोनों टीमें इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगी। ऐसे में मुकाबले से पहले सबसे ज्यादा चर्चा यहां की पिच और मौसम को लेकर हो रही है। ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। शुरुआती कुछ ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट का फायदा मिल सकता है, लेकिन जैसे–जैसे गेंद पुरानी होती है, बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट खेलने लगते हैं। यही वजह है कि इस मैदान पर कई बार बड़े स्कोर देखने को मिले हैं। इंग्लैंड की टीम भी यहां पहले 300 से अधिक रन का विशाल स्कोर बना चुकी है, जिससे इस विकेट की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रकृति का अंदाजा लगाया

ओल्ड ट्रैफर्ड की बल्लेबाजों के लिए मददगार पिच

जा सकता है। अब तक इस मैदान पर 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने केवल चार मैच जीते हैं, जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम छह मुकाबलों में सफल रही है। पांच मैच बारिश या अन्य कारणों से पूरे नहीं हो सके। पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 150 रन रहा है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार यह आंकड़ा काफी ऊपर भी जा सकता है। भारतीय टीम ने ओल्ड ट्रैफर्ड में दो टी20 मैच खेले हैं। 2011 में उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2018 में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। इस बार भी भारतीय टीम उसी प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगी।

एटा में भीषण सड़क हादसे में पांच मौतें, 12 यात्री घायल

खड़ी बस में कंटेनर ने पीछे से टक्कर

राहत कार्य में जुटे प्रशासन और पुलिस अधिकारी

यूनिक समय, लखनऊ। एटा। एटा–अलीगंज मार्ग पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई जब खराबी आने के कारण एक रोडवेज बस सड़क किनारे खड़ी थी और पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस कई मीटर आगे खिसक गई और उसके आसपास खड़े यात्री उसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय बस में सवार कई यात्री गर्मी के कारण नीचे उतरकर सड़क किनारे खड़े थे। अचानक हुए तेज धमाके के बाद अफरा–तफरी मच गई। कई लोग बस के साथ घिसट गए, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और उपचार व्यवस्था का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रोडवेज बस तकनीकी खराबी के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कंटेनर पीछे से आकर बस से टकरा गया। टक्कर के बाद कंटेनर की सामने से आ रहे दूसरे वाहन से भी भिड़ंत हो गई, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है तथा दोषी चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर सक्रियता से लुटेरी दुल्हन पुलिस के हत्थे

हनीमून के दौरान हरिद्वार से आरोपी हुई गिरफ्तार

सोशल मीडिया गतिविधियों ने खोल दिया ठिकाना पूरा

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के सरधना क्षेत्र में पेटीएम कंपनी के टीम लीडर से लूट के मामले में फरार चल रही महिला आरोपी ज्योति चौधरी को पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, शादी के बाद वह अपने पति के साथ हरिद्वार घूमने गई थी और फरारी के दौरान लगातार इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहने से उसकी लोकेशन का पता चल गया। पुलिस ने बताया कि 12 जून को सरधना क्षेत्र में पेटीएम टीम लीडर से बाइक और मोबाइल लूटने की वारदात में महिला की भूमिका सामने आई थी। मामले में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस को चुनौती दी थी। तकनीकी निगरानी और सोशल मीडिया गतिविधियों के आधार पर शनिवार को उसे हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और उससे जुड़ी अन्य आपराधिक घटनाओं की जांच कर रही है।

लखनऊ पहुंचे नितिन नवीन भव्य स्वागत से गूंजा

एयरपोर्ट से मुख्यालय तक निकला विशाल रोडशो

प्रदेश नेतृत्व संग संगठनात्मक बैठक हुई शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नवीन के पहली बार लखनऊ आगमन पर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ भेंट कर और भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक लगभग 18 किलोमीटर लंबे रोड शो का आयोजन किया गया। मार्ग में कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर और नारों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। जगह–जगह स्वागत मंच बनाए गए थे, जहां पार्टी समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। रोड शो के बाद नितिन नवीन भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे, जहां प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्षों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक शुरू हुई। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर भी नितिन नवीन का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख किया। पार्टी नेताओं का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा देने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद में जांच और सियासत तेज

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर के कथित चढ़ावा अनियमितता मामले में जांच और राजनीतिक हलचल लगातार तेज होती जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 6 जुलाई को होने वाली बैठक का एजेंडा जारी कर दिया है। बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफों, एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तथा मंदिर प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के दौरान मंदिर की सजावट और अन्य व्यवस्थाओं में हुए खर्च की भी जांच की जा रही है। आरोप है कि अलग–अलग ठेकेदारों से कार्य कराने के बाद अतिरिक्त काम दिखाकर अधिक भुगतान किया गया। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच जारी है। एसआईटी ने ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा से कई घंटे पूछताछ की है। मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव से भी जानकारी ली गई है। दोनों से संपत्ति संबंधी दस्तावेज और बैंक खातों का विवरण मांगा गया है। ट्रस्ट के पिछले पांच वर्षों के ऑडिट रिकॉर्ड की भी जांच की जाएगी। इस मामले को लेकर विभिन्न पक्षों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जबकि अयोध्या के कई संतों ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए और चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाए। उधर, आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी दोषियों पर कार्रवाई की बात कही। दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं ने भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। बताया गया है कि मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के विमान से यात्रा के दौरान कुछ यात्रियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। वहीं उत्तराखंड में बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति से जुड़े एक अलग मामले में भी चढ़ावे में कथित अनियमितता की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। अब ट्रस्ट की 6 जुलाई की बैठक और एसआईटी की विस्तृत रिपोर्ट पर सभी की नजरें टिकी हैं।

आरटीई दाखिले टालने पर 191 स्कूलों को नोटिस जारी

सात दिनों में प्रवेश सुनिश्चित करने का निर्देश

लापरवाही पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई तय

यूनिक समय, अलीगढ़। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत पात्र बच्चों को प्रवेश देने में लापरवाही बरतने वाले 191 निजी स्कूलों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने सभी संबंधित स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने और स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा विभाग के अनुसार, ऑनलाइन लॉटरी के तीन चरण पूरे होने के बावजूद कई निजी स्कूलों ने आवंटित सीटों पर बच्चों का प्रवेश नहीं किया। कई संस्थानों में आधे से अधिक सीटें खाली पाई गईं। अभिभावकों की लगातार शिकायतों के बाद विभाग ने जांच कर कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ स्कूलों ने अनावश्यक दस्तावेज मांगकर अभिभावकों को परेशान किया। कहीं विभाग से सूची न मिलने का बहाना बनाया गया तो कहीं पात्रता के नाम पर अतिरिक्त जांच की गई। अधिकारियों ने इसे आरटीई अधिनियम की भावना के विपरीत बताया है। बीएसए ने स्पष्ट किया है कि यदि सात दिनों के भीतर प्रवेश सुनिश्चित नहीं किया गया और संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संबंधित स्कूलों के खिलाफ आरटीई अधिनियम के तहत जुर्माना लगाने के साथ अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन ने सभी निजी स्कूलों को नियमों का पालन करने और पात्र बच्चों को समय पर प्रवेश देने के निर्देश दिए हैं।

तीन दिन सुस्त रहेगा मानसून, बढ़ेगी उमस और गर्मी

अधिकांश जिलों में बारिश की गतिविधियां रहेंगी सीमित

मंगलवार से फिर तेज हो सकता है मानसून

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल थम गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है। इस दौरान उमस और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। केवल मध्य प्रदेश से सटे कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में बादलों की आवाजाही के बीच कहीं–कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के पास बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से मौसमी द्रोणी दक्षिण की ओर खिसक गई है। इसके कारण प्रदेश में फिलहाल कोई मजबूत मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सोमवार तक मानसूनी सक्रियता सीमित रहेगी, जिससे तापमान में हल्की बढ़ोतरी और उमस बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में अब तक सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामान्य से 50 प्रतिशत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वाराणसी, जौनपुर, लखनऊ, गोरखपुर, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर समेत कई जिलों में वर्षा का बड़ा घाटा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार से प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। इसके बाद कई जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने और कुछ स्थानों पर अच्छी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों को गर्मी और उमस से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीने तथा धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है।

आगरा में पति की हत्या, बाथरूम में दफनाया शव

45 दिन बाद पुलिस ने किया खुलासा

आरोपी पत्नी ने पूछताछ में जुर्म स्वीकार किया

यूनिक समय, आगरा। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, एक महिला ने अपने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया और ऊपर फर्श बनवा दी। करीब 45 दिन बाद मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने बाथरूम की खुदाई कर कंकाल बरामद किया। मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस जांच कर रही थी। इस दौरान महिला परिवार और पुलिस के साथ पति की तलाश का नाटक करती रही। बाद में मृतक के बड़े भाई को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ। पूछताछ के दौरान महिला ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बताया कि पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर उसने कथित रूप से खीर में नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिला दीं। मौत के बाद शव को बाथरूम में दफन कर दिया और कुछ दिनों बाद वहां नई फर्श बनवा दी। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। कंकाल को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है और पोस्टमार्टम व वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर में प्रधानमंत्री ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

ऊर्जा संकट में भारत ने दिखाई दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट का सफलतापूर्वक सामना किया। उन्होंने कहा कि सरकार की समय पर बनाई गई रणनीति, मजबूत कूटनीति और संसाधनों के संतुलित उपयोग से देश संकट से बाहर निकलने में सफल रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हुआ, लेकिन भारत ने हालात का सही आकलन कर प्रभावी निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि देश ने अपनी कूटनीतिक क्षमता का उपयोग करते हुए ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की और नागरिकों को बड़ी परेशानियों से बचाया।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि संकट के दौरान कुछ लोगों ने अफवाहें फैलाकर डर और भ्रम का माहौल बनाने की कोशिश की, लेकिन देशवासियों ने उन प्रयासों को सफल नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में भी मामूली बाधाओं को छोड़कर ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनी रही।

प्रधानमंत्री के अनुसार अप्रैल से जून के बीच पेट्रोल और डीजल पर 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भार सरकार ने वहन किया।

साथ ही जनता पर महंगाई का

अफवाहों के बीच ईंधन आपूर्ति रही पूरी तरह सुचारु

असर कम करने के लिए प्रति लीटर 10 रुपये की एक्साइज ड्यूटी भी घटाई गई। उन्होंने कहा कि संकट शुरू होने से पहले भारत लगभग 25 से 26 देशों से ईंधन आयात करता था, लेकिन कठिन परिस्थितियों में यह संख्या बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक पहुंचाई गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि राष्ट्रहित और नागरिकों का हित सर्वोपरि है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल से पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी।

बैल बचाने उतरे तीन ग्रामीण जहरीली गैस बनी काल

कुएं में तीनों का दम घुटने से मौत

एक अन्य ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में एक बैल को बचाने की कोशिश तीन ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हुई। अमरपाटन थाना क्षेत्र के खरमसेड़ा गांव में कुएं में गिरे बैल को निकालने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य ग्रामीण बेहोश हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को एक बैल कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए पहले एक ग्रामीण कुएं में उतरा, लेकिन कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई। उसे बचाने के प्रयास में दो अन्य ग्रामीण भी एक-एक कर कुएं में उतर गए। कुएं के भीतर मौजूद जहरीली गैस के कारण तीनों का दम घुट गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही अमरपाटन थाना पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा। राहत एवं बचाव अभियान चलाकर चारों को बाहर निकाला गया। एक ग्रामीण को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया, जबकि तीनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय कृष्ण कुमार यादव, 47 वर्षीय वीरेंद्र यादव और 34 वर्षीय राहुल यादव के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में कुएं के भीतर जहरीली गैस जमा होना हादसे का कारण माना जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी बंद कुएं, सेप्टिक टैंक या संकरे स्थान में बिना सुरक्षा उपकरण और विशेषज्ञों की सहायता के प्रवेश न करें, क्योंकि ऐसे स्थानों में जहरीली गैस जानलेवा साबित हो सकती है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफे से टीएमसी हिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और झटका लगा है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और ममता बनर्जी की करीबी मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने प्रदेश अध्यक्ष पद समेत पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी नेतृत्व को भेज दिया है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य को पिछले महीने ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने कार्यभार संभालने के करीब एक महीने के भीतर ही पद छोड़ दिया। इससे पार्टी के भीतर चल रही हलचल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चंद्रिमा भट्टाचार्य राज्य सरकार में वित्त, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, भूमि सुधार तथा शरणार्थी एवं पुनर्वास

प्रदेश अध्यक्ष बनने के एक महीने बाद इस्तीफा

पार्टी में गुटबाजी की चर्चाएं हुईं तेज लगातार

जैसे विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। उन्हें लंबे समय से ममता बनर्जी के भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता रहा है।

हाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पार्टी में असंतोष और गुटबाजी की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफे के बाद अब सभी की नजर पार्टी नेतृत्व के अगले कदम और इस घटनाक्रम पर आधिकारिक प्रतिक्रिया पर टिकी है।

खामेनेई को अंतिम विदाई तेहरान में उमड़ा जनसैलाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में राजधानी तेहरान में भारी जनसमूह उमड़ा। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, समारोह में लाखों लोगों के साथ 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। भारत की ओर से बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्रैंड मोसल्ला परिसर में खामेनेई के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शोक व्यक्त करते हुए कई लोग भावुक दिखाई दिए, जबकि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

भारत ने भी आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजा तेहरान समारोह

इरानी प्रशासन के अनुसार, अंतिम संस्कार के बाद पार्थिव शरीर को देश के विभिन्न शहरों में ले जाया जाएगा। शोक कार्यक्रम के चलते तेहरान की कई प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

इस बीच, ईरान के नए सर्वोच्च नेतृत्व को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं, हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

ओडिशा में सरकारी आवास पर मृत मिलीं थाना प्रभारी अधिकारी

दरवाजा तोड़ने पर फंदे से लटका मिला शव

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी मौत वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के कटक जिले में चौलियागंज थाना की प्रभारी निरीक्षक ब्यूटी महंती अपने सरकारी आवास में मृत पाई गईं। शनिवार सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने और फोन का जवाब नहीं मिलने पर पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी।

अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, जहां उनका शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिस ने फिलहाल मौत के कारणों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। शुरुआती जांच में व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। ब्यूटी महंती की हाल ही में चौलियागंज थाना प्रभारी के रूप में नियुक्ति हुई थी।

सीमा पार आतंकियों पर भारत का कड़ा शिकंजा और कार्रवाई

यूएपीए के तहत तेईस आतंकी घोषित किए गए

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत सरकार ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान में सक्रिय 23 आतंकियों को 'व्यक्तिगत आतंकी' घोषित किया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, इन पर जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने, युवाओं की भर्ती करने, घुसपैठ कराने, ड्रोन के जरिए हथियार भेजने और आतंकी हमलों की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप हैं।

सरकार के अनुसार सूची में शामिल

कई लोगों के संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा से बताए गए हैं। इन पर आतंकी नेटवर्क

ड्रोन घुसपैठ भर्ती नेटवर्क पर बढ़ा शिकंजा अब

को मजबूत करने, वित्तीय सहायता जुटाने, प्रशिक्षण देने और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप भी हैं।

घोषित आतंकियों में अब्दुर रऊफ, हाफिज खालिद वलीद, राणा इफ्तिकार, मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक उर्फ हमजा, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर सहित अन्य नाम शामिल हैं। कुछ आरोपियों पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से आतंकियों की भर्ती और भारत में घुसपैठ कराने का भी आरोप है।

सरकार ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी, ऑनलाइन कट्टरपंथ फैलाने और आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार अभियान चला रही हैं। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति का हिस्सा माना जा रहा है।

पत्नी की हत्या कर साले पर किया जानलेवा हमला

पारिवारिक विवाद के बाद आरोपी पति हुआ गिरफ्तार

बीच बचाव में भाई गंभीर रूप से घायल हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के नवादा जिले में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के खानापुर गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। बीच-बचाव के लिए आए पत्नी के भाई पर भी आरोपी ने चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 27 वर्षीय पूजा कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार को पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद पुलिस ने महिला को सुरक्षित उसके मायके पहुंचाया था। शुक्रवार को आरोपी अपने भाई के साथ ससुराल पहुंचा और पत्नी पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। हमले में महिला का भाई भी घायल हो गया।

दोनों को पहले वारिसलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और बाद में पावापुरी रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान पूजा कुमारी की मौत हो गई। घायल भाई को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया है।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर भूमि खरीद की हो निष्पक्ष जांच

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर की होलिस्टिक डेवलपमेंट (कॉरिडोर) परियोजना के तहत मंदिर निधि से की गई भूमि खरीद की स्वतंत्र, समयबद्ध जांच की मांग को लेकर शनिवार को हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी के गोस्वामी सदस्यों को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी जांच कराने की मांग की गई।

हाई पावर्ड कमेटी के सदस्यों को ज्ञापन सौंपते लोग।

मंदिर निधि से खरीदी गई जमीनों के अभिलेखों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग

हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में कहा गया है कि पंजीकरण विभाग से प्राप्त विक्रय विलेखों, उपलब्ध अभिलेखों और अन्य तथ्यों के अध्ययन में कुछ ऐसे बिंदु सामने आए हैं, जिनकी स्वतंत्र जांच आवश्यक प्रतीत होती है। ज्ञापन में किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाए बिना पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में विभिन्न संपत्तियों के मूल्यांकन में अंतर, एक ही मूल संपत्ति के अलग-अलग हिस्सों की अलग-अलग दरों पर खरीद, सड़क की चौड़ाई से जुड़े अभिलेखों में कथित विसंगतियां, कुछ संपत्तियों को लेकर प्राप्त शिकायतें, विवादित संपत्तियों की खरीद, गोस्वामी सदस्यों को अभिलेख उपलब्ध न कराए जाने, 16 जून 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद हुई कार्रवाहियों की वैधानिकता जैसे बिंदुओं की जांच की मांग की गई है। ज्ञापन में कॉरिडोर परियोजना के तहत मंदिर निधि से की गई सभी भूमि खरीद, मूल्यांकन रिपोर्ट, भुगतान संबंधी अभिलेख, उपसमिति की कार्रवाई, स्वीकृतियां और अन्य संबंधित दस्तावेजों की किसी स्वतंत्र- सक्षम एजेंसी से जांच कराई जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या नियमों के उल्लंघन के तथ्य सामने आते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वाले दीपक पाराशर ने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि बांके बिहारी मंदिर की पवित्र निधि और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा के उद्देश्य से उठाया गया कदम है। इस मौके पर सोहन लाल मिश्र, रुक्मणि रमण गोस्वामी, पुनीत बल्लभ गौतम, अलौकिक शर्मा, कूका गुरु, मनमोहन गोस्वामी, नीरज गौतम, मनीष शर्मा, दीपक पाराशर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

14 जुलाई तक मतदेय स्थलों पर स्वीकार की जाएगी आपत्तियां

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी- जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के अनुसार, 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया और समय-सारिणी की जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने 12 सौ मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण की दी जानकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कल, चार जुलाई को मतदेय स्थलों की प्रारूप (आलेख्य) सूची प्रकाशित कर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस सूची पर कल से 14 जुलाई तक संबंधित एसडीएम अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत किए जा सकेंगे। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर 18 जुलाई तक सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा, 25 जुलाई तक प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाएगा। उन्होंने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा कि वह अपने कार्यकर्ताओं और सदस्यों को इस प्रक्रिया की जानकारी दें और यदि किसी मतदेय स्थल के संबंध में आपत्ति हो तो आवेदन में संबंधित विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र, मतदेय स्थल और परिवर्तन के स्पष्ट कारण बिंदुवार अवश्य अंकित करें।

बैठक में बताया गया कि नए निर्धारण के तहत सभी मतदेय स्थलों को रनिंग सीरियल नंबर दिए जाएंगे, सहायक (ऑक्जिलरी) मतदेय स्थल समाप्त कर दिए जाएंगे। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर 300 से कम मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों को बनाए रखने के लिए स्पष्ट कारण दर्ज करना होगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी-एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने बताया कि बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि जर्जर और अस्थायी भवनों में संचालित मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के स्थायी भवनों में स्थानांतरित किया जाए। मुख्य बस्तियों से अधिक दूरी पर स्थित मतदेय स्थलों को सुविधाजनक स्थानों पर स्थापित किया जाए और मतदाताओं को सामान्यतः दो किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े। नई विकसित आवासीय कॉलोनियों में आवश्यकता अनुसार नए मतदेय स्थल स्थापित किए जाएंगे। यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि सभी मतदेय स्थल यथासंभव भूतल पर हों, दिव्यांग और अशक्त मतदाताओं के लिए रैंप उपलब्ध हों और किसी भी राजनीतिक दल या श्रमिक संगठन के कार्यालय से 200 मीटर के भीतर कोई मतदेय स्थल स्थापित न किया जाए।

जन्माष्टमी पर जगमगाएगा ब्रज तिरंगा लाइटिंग होगी आकर्षक

बैठक में जन्माष्टमी से जुड़ी जानकारी देते एसएसपी श्लोक कुमार, साथ हैं आयुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को भव्य- दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में शुक्रवार रात मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई

बैठक में मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि मथुरा-वृंदावन के प्रमुख चौराहों, मंदिर मार्गों और धार्मिक स्थलों को आकर्षक सजावट और तिरंगा लाइटिंग से रोशन किया जाए। जन्माष्टमी से पहले ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी व्यापक स्तर पर दी जाए, सभी प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पार्किंग, दिशा-सूचक साइन बोर्ड और नंबरिंग की व्यवस्था की जाए।

आयुक्त ने बैठक में दिए निर्देश, श्रद्धालुओं को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

उन्होंने निर्देश दिए कि जन्मोत्सव से सात दिन पहले ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत कर दी जाए। प्रमुख चौराहों पर मंच, सेल्फी प्वाइंट और जनपद की सीमाओं पर भव्य स्वागत द्वार भी बनाए जाएंगे। बैठक में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

एएसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत को मिला आईपीएस कैडर

एसएसपी ने कंधों पर आईपीएस का बैज लगा किया सम्मानित

आईपीएस पदोन्नत होने पर एएसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत को आईपीएस का बैच लगाते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पद पर तैनात सुरेश चंद्र रावत को पीपीएस कैडर से आईपीएस कैडर में पदोन्नत किया गया है। इस उपलब्धि पर पुलिस लाइन के सभागार में पीपिंग सेरेमनी का आयोजन हुआ। समारोह में एसएसपी श्लोक कुमार ने राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सुरेश चंद्र रावत के कंधों पर आईपीएस का बैच लगाकर उन्हें अलंकृत किया। इस अवसर पर एसएसपी ने एएसपी ग्रामीण रावत द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, उनके कर्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। जनपद के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर सुरेश चंद्र रावत को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे फाटक के निकट अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने धौलीप्याऊ फाटक के समीप से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। वहीं, वृंदावन पुलिस ने गोरी गोपाल आश्रम के समीप से एक वृद्ध महिला का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा है। कोतवाली की धौलीप्याऊ चौकी को इस बारे में सूचना मिली की, एक अज्ञात व्यक्ति (40) का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस नेशव की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को इस तरह का कुछ नहीं मिला जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। इसी तरह वृंदावन पुलिस को गोरी गोपाल आश्रम के समीप एक वृद्ध महिला (60) का शव होने की जानकारी मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोरचरी भेज दिया है। पुलिस वृद्धा की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

वृंदावन मोक्षधाम पर चला महासफाई अभियान

वृंदावन मोक्षधाम परिसर में सफाई करते गरीब एकता दल के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, वृंदावन। गरीब एकता दल के बैनर तले परिक्रमा मार्ग स्थित मोक्ष धाम में चलाए महा-सफाई अभियान के तहत लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस कार्य में संगठन के पदाधिकारी, कई पार्षदों, धर्मगुरु, उज्जवल ब्रज संस्था के कर्मचारियों ने एकजुट होकर सेवा कार्य किया। अभियान की अगुवाई करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक महाजन ने कहा कि मोक्ष धाम जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर आकर सेवा करना आत्मा को संतुष्टि देता है।

गरीब एकता दल के संरक्षक बाबा मदन बिहारी दास ने कहा कि स्वच्छता में ही इश्वर का वास है। वृंदावन की पावन भूमि को स्वच्छ रखना हम सबकी सेवा है। उज्जवल ब्रज संस्था के प्रबंधक कुलदीप दीक्षित ने कहा कि जब संस्थाएं और जनता मिलकर हाथ बढ़ाती हैं, तो कोई भी बदलाव नामुमकिन नहीं है। आज का यह अभियान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

पार्षद घनश्याम चौधरी और पूर्व पार्षद हेमंत भारती ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के विकास और स्वच्छता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किंग सिक्योरिटी के मैनेजर मनीष तिवारी ने परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था पर प्रकाश डाला। इस मौके पर दल की महिला प्रदेश अध्यक्ष रिचा शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक गोयल, सौरभ यादव, गोपाल शर्मा, तरुण शर्मा, रवि भट्ट, कन्हैया पांडे, अनिल गौतम, कुंज बिहारी, प्रिया बल्लभ, कपिल चौहान और महेश चौधरी आदि उपस्थित थे।

स्वच्छता में ही ईश्वर का वास: संत मदन बिहारी दास

महापौर और नगर आयुक्त ने व्यापारियों संग की बैठक

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन नगर निगम के भूतेश्वर स्थित जोनल कार्यालय में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों के साथ महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश की बैठक हुई।

बैठक में व्यापारियों ने शहर से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा। व्यापारियों ने भूतेश्वर अंडरपास निर्माण कार्य में तेजी लाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इसके पूर्ण होने से आवागमन अधिक सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी सुविधा मिलेगी। महापौर और नगर आयुक्त ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एनसीसी कैडेट्स ने सीखे आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक गुर

यूनिक समय, मथुरा। हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरह में चल रहे एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-41) में जिला नागरिक सुरक्षा विभाग ने करीब 450 कैडेट्स को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया।

उप नियंत्रक कश्मीर सिंह के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर अशोक यादव ने बाढ़, भूकंप, आगजनी और सड़क दुर्घटनाओं जैसी आपदाओं में राहत-बचाव कार्य की व्यावहारिक जानकारी दी। कैडेट्स को घरेलू सामान से स्ट्रेचर बनाना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना और सीमित संसाधनों में सुरक्षित रेस्क्यू करने का अभ्यास कराया गया। कश्मीर सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण

का उद्देश्य अनुशासित और प्रशिक्षित युवाओं की ऐसी टीम तैयार करना है, जो किसी भी आपदा के समय प्रशासन और नागरिक सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रभावी राहत कार्य कर सके। प्रशिक्षण के समापन पर एनसीसी अधिकारियों ने नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

20 जुलाई तक देनी होगी बोर्ड परीक्षा से जुड़ी जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने जिले के सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को 20 जुलाई तक अपनी आधारभूत सुविधाओं और संसाधनों की जानकारी परिषद की वेबसाइट यूपीएसएमपी डॉट ईडीयू डॉट इन पर ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों का चयन ऑनलाइन किया जाएगा। इसलिए सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य पहले विद्यालय की जानकारी का सत्यापन कर लें और उसके बाद ही उसे वेबसाइट पर भरें।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com